MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-06 ❖ अंक-19 ❖ मुंबई ❖ रविवार 04 से 10 मई 2025 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2024-2026

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

सुविचार

सच्ची सफलता वही है, जो ईमानदारी और मेहनत से प्राप्त की जाए।

सुविचार

"जीवन में सब्र और मेहनत की जरूरत होती है, भाग्य खुद चलकर आता है।"

आतंकियों को बख्शा नहीं जाएगा : शाह

गृहमंत्री ने दी चेतावनी, किसी को नहीं छोड़ेंगे, चुन-चुन कर मारेंगे

■ आतंकवाद के खात्मे तक लड़ाई जारी रहेगी
■ हर चीज का हमने मजबूती के साथ जवाब दिया

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की संभावित कार्रवाई से पाकिस्तान डरा हुआ है। इस बीच दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद और आतंकियों के आका को चेतावनी दी है। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कोई कायराना हमला करके सोचता है कि ये उनकी जीत है तो वो समझ लें कि चुन-चुन कर बदला लेंगे। किसी को बखशा नहीं जाएगा।

कार्यक्रम के शुरुआत में गृहमंत्री अमित शाह, दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए मौन रखा। केंदीय गृहमंत्री ने कहा कि जब तक आतंकवाद समाप्त नहीं होगा तब तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी और जिन लोगों ने यह कृत्य किया है उनको सजा दी जाएगी। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चाहे उत्तर पूर्व हो, चाहे वामपंथी उग्रवाद का क्षेत्र हो या चाहे कश्मीर पर पड़ी आतंकवाद की छाया हो हर चीज का हमने मजबूती के साथ जवाब दिया है। इस देश की इंच-इंच जमीन से आतंकवाद को मूल समेत उखाड़ने का हमारा संकल्प है और वह सिद्ध होकर रहेगा।

आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, मैं आज जनता को बताना चाहता हूं कि 90 के दशक से कश्मीर में जो आतंकवाद चला रहे हैं उनके खिलाफ हम जीरो टॉलरेंस की नीति पर मजबूती के साथ अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं। आज वे यह न समझे कि हमारे नागरिकों की जान लेकर वो ये लड़ाई जीते हैं। मैं सभी आतंक फैलाने वालों को कहना चाहता हूं कि यह लड़ाई अंत नहीं है, एक मकाम है, एक-एक व्यक्ति को चुन-चुन कर इसका जवाब दिया जाएगा।

पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी

उधर, पाकिस्तान ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर चौकियों पर अपने झंडे फिर लगा दिए हैं। एक दिन पहले चौकियों से झंडे हटा दिए थे। इस बीच खबर है कि पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी है।

पहलगाम हमले के दोषियों न्याय के कठघरे में लाएंगे : जयशंकर

■ भारत के साथ सहयोग के लिए अमेरिका प्रतिबद्ध
■ अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से हुई बात

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से दो टूक शब्दों में कह दिया है कि पहलगाम आतंकवादी हमले के अपराधियों, षड्यंत्रकारियों और उन्हें सहयोग देने वालों को न्याय के कठघरे में हर हाल में लाया जाएगा। इस पर श्री रुबियो ने आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में भारत के साथ सहयोग के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। डॉ. जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री से टेलीफोन पर बात करने के बाद एक्स पर पोस्ट किया, कल अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ पहलगाम आतंकवादी हमले पर चर्चा की। इसके अपराधियों, समर्थकों और योजनाकारों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। उधर वाशिंगटन में अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने एक बयान में कहा, विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने आज भारतीय विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर से बात की। मंत्री ने पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के लिए अपना दुख व्यक्त किया और आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ सहयोग के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

आईएनएस-सूरत हजीरा पोर्ट पर तैनात

इस बीच नेवी का जंगी जहाज आईएनएस-सूरत गुरुवार को पहली बार सूरत के हजीरा पोर्ट पर तैनात किया गया है। यहां नेताओं और नेवी अफसरों ने इसका स्वागत किया। इंडियन नेवी ने अपने सभी वॉरशिप को अलर्ट पर रखा है। अरब सागर में एंटी शिप और एंटी एयरक्राफ्ट फायरिंग की प्रैक्टिस की गई। गुजरात के नजदीक कोस्ट गार्ड को भी अलर्ट पर रखा गया है।

सात्विक-चिराग को खेल रत्न पुरस्कार प्रदान किया

नई दिल्ली। युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुरुवार को स्टार भारतीय बैडमिंटन पुरुष युगल जोड़ी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार प्रदान किया। इस जोड़ी को पिछले साल प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित करने की घोषणा की गयी थी, लेकिन मलेशिया ओपन सुपर 1000 के कारण वे राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो सके।

गुना में कार डिवाइडर से टकराई 4 युवकों की मौत

गुना। मध्यप्रदेश के गुना जिले के म्याना थाना क्षेत्र के भदौरा इलाके में एक कार राष्ट्रीय राजमार्ग 46 पर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे चार युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और तीन युवक घायल हो गए हैं। शिवपुरी जिले के कोलारस थाना क्षेत्र के रिजौदा गांव के निवासी 7 युवक गुना जिले के मावन गांव में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। ये सभी युवक कार से कल रात 2 बजकर 30 मिनट पर वापस लौट रहे थे। तभी उनकी कार अनियंत्रित होकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगे डिवाइडर से टकरा गई।

अमृतसर सीमा पर हथियारों की बड़ी खेप बरामद की

अमृतसर। पंजाब में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर सीमा पार के आतंकवादी गिरोह के खिलाफ एक बड़ी सफलता में अमृतसर जिले के भरोपाल गांव के पास हथियारों, गोला-बारूद और ग्रेनेड का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है। तलाशी अभियान में दो हैंड ग्रेनेड, तीन पिस्तौल और छह मैगजीन तथा 50 जिंदा कारतूस बरामद हुए।

आईएसआई महानिदेशक मलिक बने पाकिस्तान के एनएसए

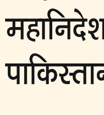

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। पाकिस्तान सरकार की ओर से जारी एक अधिकारिक अधिसूचना में यह जानकारी दी गयी है। अधिसूचना के अनुसार लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक अब आईएसआई के महानिदेशक के रूप में अपनी वर्तमान भूमिका के अलावा प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में भी काम करेंगे।

पटियाला हाउस कोर्ट ने दी मंजूरी

तहव्वुर राणा के वॉयस सैंपल व लिखावट के नमूने लेगी एनआईए

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। पटियाला हाउस कोर्ट ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के वॉयस सैंपल और लिखावट के नमूने लेने की मंजूरी दे दी है। एनआईए ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर तहव्वुर राणा के वॉयस सैंपल और लिखावट के नमूने लेने की इजाजत मांगी थी, जिसके बाद पटियाला हाउस कोर्ट ने उन्हें मंजूरी दी।

तहव्वुर राणा एनआईए की हिरासत में हैं। बीते महीने पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष अदालत ने 26/11 मुंबई हमलों के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हिरासत को 12 दिन के लिए और बढ़ाया था। एनआईए ने अदालत से राणा की हिरासत बढ़ाने का अनुरोध किया था, जिस पर सुनवाई के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रखते हुए यह आदेश सुनाया। इससे पहले राणा को 18 दिन की एनआईए हिरासत में भेजा गया था, जिसके खत्म होने के बाद उसे कड़ी सुरक्षा के बीच विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह की अदालत में पेश किया गया था।

■ एनआईए की हिरासत में है तहव्वुर राणा

सुनवाई के दौरान एजेंसी ने दलील दी कि 17 साल पुराने आतंकी हमलों की साजिश के जाल को समझने और उससे जुड़े अन्य साजिशकर्ताओं तक पहुंचने के लिए राणा की हिरासत आवश्यक है।

10 अप्रैल को किया गया था गिरफ्तार

तहव्वुर राणा को 10 अप्रैल को भारत लाए जाने के बाद एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष एनआईए अदालत में पेश किया था। अदालत ने उसे 18 दिन की हिरासत में भेज दिया था। हिरासत अवधि खत्म होने के बाद उसे फिर से कोर्ट में पेश किया गया था।

दिल्ली हाई कोर्ट ने रामदेव को लगाई फटकार

किसी के नियंत्रण में नहीं रामदेव

रामदेव ने 'रूह अफज़ा' पर सांप्रदायिक टिप्पणी की थी

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक बार फिर रामदेव को 'रूह अफजा' पर सांप्रदायिक टिप्पणी के लिए फटकार लगाई है। हाई कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि रामदेव किसी के नियंत्रण में नहीं हैं और अपनी ही दुनिया में रहते हैं। 3 अप्रैल को रामदेव ने पतंजलि के गुलाब शरबत का प्रचार करते हुए हमदर्द पर विवादित टिप्पणी की थी।

एक वायरल वीडियो में उन्होंने दावा किया था कि हमदर्द अपनी कमाई से मस्जिद और मदरसे बनवाता है। रामदेव ने 'शरबत जिहाद' शब्द का इस्तेमाल करते हुए कहा कि हमदर्द का शरबत पीने से मस्जिद और मदरसे बनेंगे, जबकि पतंजलि का शरबत गुरुकुल, आचार्यकुलम और भारतीय शिक्षा बोर्ड को बढ़ावा देगा। इस मामले से संबंधित याचिका को लेकर हाई कोर्ट को यह जानकारी दी गई कि अदालत के 22 अप्रैल के निर्देशों के बावजूद रामदेव ने आपत्तिजनक बयान देते हुए एक वीडियो जारी किया है। हमदर्द के वकील ने कहा कि कोर्ट के आदेश के बाद बाबा रामदेव ने नया वीडियो जारी किया, जबकि हाईकोर्ट ने उन्हें वीडियो हटाने का आदेश दिया था। हमदर्द के वकील ने कहा कि बाबा रामदेव कोर्ट के आदेश का सम्मान नहीं करते हैं। इस पर रामदेव के वकील ने कहा कि हमने कोर्ट के आदेश के अनुसार वह वीडियो हटा दिया है।

22 अप्रैल को भी कड़ी टिप्पणी की थी

इससे पहले, बीते 22 अप्रैल को दिल्ली उच्च न्यायालय ने पतंजलि के संस्थापक बाबा रामदेव को हमदर्द कंपनी और इसके लोकप्रिय पेय 'रूह अफजा' के खिलाफ सांप्रदायिक टिप्पणियों के लिए कड़ी फटकार लगाई थी। हमदर्द नेशनल फाउंडेशन इंडिया द्वारा दायर मुकदमे की सुनवाई में न्यायमूर्ति अमित बंसल ने रामदेव के बयानों को 'अक्षम्य' बताया।

जाति जनगणना की डेडलाइन बतानी होगी : कांग्रेस

सरकार सिर्फ 575 करोड़ रुपए में कौन सी जनगणना कराएगी

■ आरक्षण में 50 प्रतिशत की सीमा खत्म हो
■ हेडलाइन बनवाने में माहिर है प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जाति जनगणना कराने के ऐलान पर कांग्रेस ने कहा है कि अब तक इस मुद्दे पर चुप्पी साधे प्रधानमंत्री ने अचानक यह घोषणा कर सबको चौंका दिया है, लेकिन हेडलाइन में माहिर श्री मोदी को इसकी डेडलाइन भी बतानी होगी।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से कहा कि पार्टी नेता राहुल गांधी ने कल सभी को कांग्रेस के सामाजिक न्याय और सामाजिक सशक्तीकरण के एजेंडा से अवगत कराया है। उन्होंने सरकार के इस निर्णय का समर्थन किया, लेकिन यह भी कहा कि जाति जनगणना से श्री मोदी ने हेडलाइन तो दी है लेकिन इसमें डेडलाइन नहीं दी है। श्री मोदी की हेडलाइन पाने की इसी महारत को देखते हुए श्री गांधी ने मांग की है कि सरकार जातिगत जनगणना को लेकर पूरा रोडमैप सामने रखे।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार से तीन मांगे रही हैं। जातिगत जनगणना कराना, आरक्षण में 50 प्रतिशत की सीमा ख़त्म करना और अनुच्छेद 15(5) को लागू करना शामिल है। हम छह साल से जनगणना का इंतज़ार कर रहे हैं और इससे पहले तो जाति शब्द का कोई जिक्र नहीं था, लेकिन कल अचानक जातिगत जनगणना की बात कह दी गई। जबकि 2025-26 के बजट में सेन्सस कमिश्नर के ऑफिस-जिसपर जनगणना करने की जिम्मेदारी होती है-उसे सिर्फ 575 करोड़ का बजट दिया गया है। इससे पहले ख़ुद मोदी देश को बता चुके हैं कि जनगणना कराने में 8,254 करोड़ का खर्च आएगा।

सामाजिक न्याय के लिए स्वांग रचती है कांग्रेस : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जातिगत जनगणना का निर्णय लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देश की प्रगति, वंचितों के अधिकार और सामाजिक न्याय को लेकर प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया और कांग्रेस पर सामाजिक न्याय के लिए स्वांग रचने का आरोप लगाया। केन्द्रीय मंत्री एवं भाजपा नेता धर्मेंद्र प्रधान ने आज केन्द्रीय कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए जातिगत जनगणना का निर्णय लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

जाति जनगणना का श्रेय राहुल को : राउत

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने अगली जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने के केंद्र के फैसले का श्रेय कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दिया है। राउत ने साथ ही दावा किया कि यह निर्णय पहलगाम आतंकवादी हमले से लोगों का ध्यान हटाने के लिए लिया गया है।

मोदी ने किया वेव्स समिट का किया उद्घाटन

हर युवा रचनात्मक दुनिया के साथ जुड़ेगा

ये एक वेव है, संस्कृति की, रचनात्मकता की

मुंबई, (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में पहले विश्व ऑडियो विजुअल एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज यहां मुंबई में 100 से अधिक देशों के कलाकार, निवेशक और नीति निर्माता एक साथ एक ही छत के नीचे एकत्र हुए हैं। एक तरह से आज यहां वैश्विक प्रतिभा और वैश्विक रचनात्मकता के एक ईको-सिस्टम की नींव रखी जा रही है।

पीएम मोदी ने आगे कहा, 'वर्ल्ड ऑडियो विजुअल और एंटरटेनमेंट समिट यानी वेव्स.. ये सिर्फ एक ऐक्रोनिम नहीं है। ये एक वेव है- संस्कृति की, रचनात्मकता की। वेव्स एक ऐसा वैश्विक मंच है, जो आप जैसे हर कलाकार, हर निर्माता का है। जहां हर कलाकार, हर युवा एक नई योजना के साथ रचनात्मक दुनिया के साथ जुड़ेगा। आज 1 मई है। आज से 112 साल पहले 3 मई, 1913 को भारत में पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र रिलीज हुई थी, इसके निर्माता दादासाहेब फाल्के जी थे और कल ही उनकी जन्मजयंती थी। बीती एक सदी में भारतीय सिनेमा ने भारत को दुनिया के कोने-कोने में ले जाने में सफलता पाई है।'

क्रिएटिव टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट का ऐलान

मुंबई। मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित वेव्स में सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजी की स्थापना की जानकारी दी। यह भारत के क्रिएटिव और डिजिटल मीडिया इंडस्ट्री के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह देश में अपनी तरह का पहला संस्थान होगा। इसे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के दर्जे पर विकसित करने का लक्ष्य है।

दिल्ली- एनसीआर में एक सप्ताह तक बारिश के आसार

■ तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होगी

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। दिल्ली समेत पूरे एनसीआर और आसपास के कई जिलों के लिए आने वाला एक हफ्ता सुकून का सबब होगा। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले सात दिनों तक दिल्ली एनसीआर समेत आसपास के कई जिलों में हल्की और तेज बारिश के चलते पारे में गिरावट दर्ज की जाएगी। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि 1 मई की रात से ही मौसम बदलने लगेगा। 2 मई से लेकर 4 मई तक तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होगी। उसके अगले दो दिनों में भी लगातार बारिश होने का पूर्वानुमान है। इस दौरान तेज हवाएं चलेंगी। कुछ स्थलों पर तूफान और आंधी का भी सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक आज तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है।

हवा की गुणवत्ता में सुधार आया

अच्छी बात ये है कि तेज हवाओं से एनसीआर में एक्यूआई में बदलाव आया है और हवा की गुणवत्ता में सुधार आया है। दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में एक्यूआई लेवल बेहतर हुआ है। दिल्ली में 169, ग्रेटर नोएडा में 122, गाजियाबाद में 127, नोएडा में 139 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास का निधन

एक माह से चल रहा था उपचार

उदयपुर, (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री गिरिजा व्यास का गुरुवार शाम निधन हो गया। वे एक माह पहले घर में ही पूजा के दौरान झुलस गई थीं। करीब 95 प्रतिशत झुलसने के बाद वे अहमदाबाद के अस्पताल में उपचाररत थीं। दो-तीन दिन से हालत में गिरावट आई और शाम 7.15 बजे अंतिम सांस ली। गिरिजा व्यास के भाई गोपाल शर्मा ने बताया कि वे अहमदाबाद के जायडस अस्पताल में उपचाररत थीं। एक माह के उपचार के दौरान भी उनकी स्थिति में ज्यादा सुधार नहीं हो पाया। पिछले दो-तीन दिनों से ब्लड प्रेशर गिरने लगा और निधन हो गया। उनके निधन पर प्रदेशभर के नेताओं ने शोक जताया है। 31 मार्च को सुबह 11 बजे घर पर गणगौर पूजा के दौरान गिरिजा व्यास गंभीर रूप से झुलस गई थीं। उदयपुर के निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अहमदाबाद भेजा गया था।

आतंकवाद — *प्रवासी नागरिकों व पर्यटकों पर हमले व उनकी हत्याएं कभी रुक नहीं पाए*

जम्मू-कश्मीर में पहले भी आतंकियों के निशाने पर रहे पर्यटक

पहलगाम के बैसरन वैली में 22 अप्रैल को हुई 26 प्रवासियों (टूरिस्टों) की हत्याएं कश्मीर में पहली बार नहीं हुई हैं। कश्मीर में जबसे आतंकवाद फैला है प्रवासी नागरिक या पर्यटक हमेशा ही आतंकियों के निशाने पर इसलिए रहे हैं क्योंकि आतंकियों की नजर में ये प्रवासी और पर्यटक कश्मीर की डेमोग्राफी को बदलने की कथित साजिश के तहत कश्मीर में आ रहे हैं।

ऐसा भी नहीं है कि 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को हटा कर जम्मू कश्मीर के दो टुकड़े कर उसे केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिए जाने की कवायद के बाद ऐसे हमलों और हत्याओं में कोई कमी आई हो बल्कि यह अनवरत रूप से जारी हैं।

आतंकियों ने पिछले साल भी 16 अक्तूबर को एक गैर-स्थानीय युवक की हत्या की थी इससे पहले पिछले साल ही 16 अक्तूबर को शोपियां में आतंकियों ने गैर-स्थानीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतक की पहचान अशोक चौहान के रूप में की गई थी। अशोक चौहान बिहार से जम्मू कश्मीर मजदूरी करने गए थे। यह इसी से स्पष्ट है कि पिछले साल 8 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले के पदपावन में आतंकियों ने गैर कश्मीरी स्थानीय ड्राइवर परमजीत सिंह को गोली मारी थी। वह दिल्ली का रहने वाला था। 17 अप्रैल 2024 को आतंकियों ने बिहार के एक प्रवासी शंकर शाह की गोली मारकर हत्या कर दी थी। 7 फरवरी 2024 को हब्बा कदल इलाके में सिख समुदाय के दो लोगों को गोली मार दी थी। 26 फरवरी 2023 को कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की हत्या कर दी थी।

2022 में बिहार के तीन लोगों को मारी थी गोली

अगस्त 2022 में शोपियां में आतंकियों ने बिहार के रहने वाले तीन प्रवासी मजदूरों को गोली मारी थी। इसके अलावा सेब के बाग में एक कश्मीरी पंडित की हत्या कर दी गई थी। बांदीपोरा में आतंकियों ने बिहार के एक प्रवासी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। वर्ष 2022 के ही नवंबर महीने में शोपियां में आतंकियों ने उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले के रहने वाले दो मजदूरों की हत्या कर दी थी।

भाषा की मर्यादा भूलने वालों को सबक

पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी को कड़ी फटकार लगाई। न्यायालय ने राहुल गांधी से कहा कि वे उन स्वतंत्रता सेनानियों के विरुद्ध गैर-जिम्मेदाराना बयान न दें, जिन्होंने देश को आजादी दिलाई। यदि वे भविष्य में ऐसा कोई वक्तव्य देंगे तो न्यायालय स्वतः संज्ञान लेते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई करेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने सत्य से उनका साक्षात्कार कराते हुए कहा कि महात्मा गांधी भी वायसराय को लिखे पत्र में ₹आपका वफादार सेवक₹ लिखते थे तो क्या इस आधार पर उन्हें अंग्रेजों का सेवक कहा जा सकता है या स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान को कम करके आंका जा सकता है? जब उन्हें भारत के इतिहास-भूगोल के बारे में कुछ भी नहीं पता तो उन्हें ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। उसने उन्हें यह भी याद दिलाया कि स्वयं उनकी दादी इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए सावरकर की प्रशंसा में पत्र लिखे थे। यद्यपि राहुल गांधी इस सत्य से अपरिचित हों, ऐसा नहीं माना जा सकता। लगता है वामपंथी प्रभाव में वह अपनी दादी एवं कांग्रेस की रीति-नीति-परंपरा की उपेक्षा एवं अवमानना कर रहे हैं। कदाचित इसीलिए उन्होंने ₹भारत जोड़ो यात्रा₹ के दौरान महाराष्ट्र में वीर सावरकर पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने के कारण वीर सावरकर को आजीवन कारावास की असहनीय यातनाएं झेलनी पड़ी थीं। अंडमान के सेलुलर जेल में कालापानी की सजा भोगते हुए उन्हें हवा-पानी, रोशनी जैसी प्रकृति प्रदत्त बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित रहना पड़ा था। कारावास से रिहाई के बाद भी उन्हें अंगेजों द्वारा लादे गए तमाम शर्त्तों एवं कठोर पाबंदियों के साथ रत्नागिरि जिले में नजरबंद रहना पड़ा। यह अकारण नहीं है कि स्वतंत्रता-आंदोलन में भाग लेने वाले तत्कालीन बड़े नेताओं में उनका बड़ा सम्मान था। गांधी जी और आंबेडकर उनके अस्पृश्यता उन्मूलन एवं अछूतोद्धार की नीतियों से प्रभावित थे। मदनलाल धींगरा, शचींद्रनाथ सान्याल, रौशन सिंह, राजेंद्र लाहिड़ी जैसे अनेक देशभक्तों ने भी उनके विचारों से किसी न किसी स्तर पर प्रेरणा ग्रहण की। अपनी तार्किकता, दूरदर्शिता एवं लेखकीय सक्रियता के कारण भी सावरकर देशवासियों को प्रेरित करते हैं। इसी कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने वीर सावरकर के निधन के पश्चात 26 फरवरी, 1966 को अपने शोक-संदेश में कहा था-₹विनायक दामोदर सावरकर समकालीन भारत के महान नेता थे, जिनका नाम साहस एवं देशभक्ति की प्रेरणा देता है। वह महान क्रांतिकारी के सांचे में ढले ऐसे व्यक्तित्व थे, जिनसे अनगिनत लोगों ने प्रेरणा ली।" उन्होंने 20 मई, 1980 को ₹सावरकर राष्ट्रीय स्मारक₹ के सचिव पंडित बाखले को लिखे पत्र में कहा था कि ₹वीर सावरकर का ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध मजबूत प्रतिरोध हमारे स्वतंत्रता-आंदोलन के लिए बहुत अहम है। मैं आपको देश के विलक्षण सपूत के शताब्दी-समारोह के आयोजन के लिए बधाई देती हूं।₹ उन्होंने सावरकर की स्मृति एवं सम्मान में 1970 में डाक टिकट भी जारी किया, अपने निजी खाते से सावरकर ट्रस्ट को 11 हजार रुपये दान दिए तथा 1983 में सूचना प्रसारण मंत्रालय के फिल्म डिवीजन आफ इंडिया को सावरकर के जीवन पर एक डाक्यूमेंट्री फिल्म बनाने का आदेश दिया। वस्तुतः राहुल गांधी एवं आज के अन्य नेताओं को स्वतंत्रता सेनानियों और अन्य महापुरुषों पर बोलते हुए यह सोचना और समझना होगा कि ब्रिटिश शासन के विरुद्ध स्वतंत्रता की लड़ाई किसी एक व्यक्ति ने नहीं, बल्कि सबने एकजुट होकर लड़ी थी। जाति, भाषा, प्रांत, पंथ, संप्रदाय जैसे विभेदकारी तत्वों से परे सभी स्वतंत्रता सेनानियों ने मिल-जुलकर एक ही लक्ष्य के लिए काम किया तथा देश की स्वतंत्रता में अपने-अपने ढंग से योगदान दिया। यह भी उल्लेखनीय है कि हाल में दिल्ली उच्च न्यायालय एवं जिला न्यायालय द्वारा मानहानि से जुड़े अलग-अलग मामलों में भी दिए गए फैसले हमें बेतुके बयानों एवं बेबुनियादी आरोपों के प्रति सजग करते हैं।

जाति जनगणना विभाजन का नहीं, विकास का आधार बने

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना के बाद मोदी सरकार लगातार पाकिस्तान को करारा जबाव देने की तैयारी के अति जटिल एवं संवेदनशील दौर में एकाएक जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लेकर न विपक्षी दलों को बल्कि समूचे देश को चौकाया एवं चमत्कृत किया है। सरकार का यह निर्णय जितना बड़ा है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। मोदी सरकार का जातिगत जनगणना के लिए तैयार होना सुखद और स्वागतयोग्य है। पिछले कुछ समय से जातिगत जनगणना की मांग बहुत जोर-शोर से हो रही थी। कुछ राज्यों में तो भाजपा भी ऐसी जनगणना के पक्ष में दिखी थी, पर केंद्र सरकार का रुख इस पर बहुत साफ नहीं हो रहा था। अब अचानक ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की उच्चस्तरीय कैबिनेट समिति की बैठक में यह फैसला ले लिया गया। बाद में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल रहेगी। यह कदम जहां देश के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को बदलेगा, वही सामाजिक असमानताओं को दूर करने और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए लक्षित नीतियों को लागू करने में मील का पत्थर साबित होगा।

जातिगत जनगणना 1931 यानी अखंड भारत में अंग्रेजी सत्ता ने कराई थी। भारत में जनगणना की शुरुआत अंग्रेजी हुकूमत के दौर में, सन 1872 में हुई थी और 1931 तक हुई हर जनगणना में जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज किया गया। आजादी के बाद सन् 1951 में जब पहली बार जनगणना कराई गई, तो तय हुआ कि अब जाति से जुड़े आंकड़े नहीं जुटाए जाएंगे। स्वतंत्र भारत में हुई जनगणनाओं में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति से जुड़े डेटा को ही पब्लिश किया गया। 2011 में मनमोहन सरकार ने जातिवार जनगणना कराई अवश्य, लेकिन उसमें इतनी जटिलताएं एवं विसंगतियां मिलीं कि उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। इसके बाद कुछ राज्यों ने जातियों की गिनती करने के लिए सर्वे कराए, क्योंकि जनगणना कराने का अधिकार केवल केंद्र को ही है। हालांकि भाजपा ने बिहार में जाति आधारित सर्वे का समर्थन किया, लेकिन जातिगत जनगणना को लेकर वह मुखर नहीं रही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अवश्य इसका समर्थन किया। लेकिन अब एकाएक भाजपा को जातिगत जनगणना करना अपने हित में दिखाई दिया क्योंकि अपनी नीतियों एवं योजनाओं के बल पर भाजपा ने पिछड़ी जातियों और दलितों की गोलबंदी कर सत्ता का सफर आसान बनाया है।

जातिगत जनगणना का भारतीय राजनीति और समाज-व्यवस्था पर व्यापक एवं दूरगामी प्रभाव पडेगा। कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल इसकी पुरजोर मांग करने में लगे हुए थे। सबसे ज्यादा जोर राहुल गांधी दे रहे थे, जबकि नेहरू से लेकर नरसिंह राव तक ने इसकी जरूरत नहीं समझी। यह तय है कि जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर जहां कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल इसका श्रेय लेना चाहेंगे, वहीं भाजपा इसे सामाजिक न्याय एवं समता-संतुलित समाज-निर्माण केंद्रित अपनी पहल बताएगी। जाति आधारित जनगणना सामाजिक न्याय में सहायक बनेगी या नहीं, लेकिन इससे जातिवादी राजनीति के नए दरवाजे खुलेंगे एवं आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राजनीति की धूरी बनेगा। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक नजरिये से यह मांग इसलिए उठाई थी ताकि इस आधार पर आगे आरक्षण के मुद्दे को गर्माया जा सके और जातीय गोलबंदी कर चुनावी फायदा लिया जा सके। लेकिन भाजपा-सरकार ने जाति जनगणना का ऐलान कर इस मुद्दे को अपनी पाली में ले लिया है। भले ही इसके आंकड़े आने के बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग से भाजपा कैसे निपटेगी, यह बड़ी चुनौती उसके सामने है। वैसे भी इस तरह की पहल जिन राज्यों में हुई है, वहां भी इसे लेकर विवाद चल रहा है। ऐसे विवाद भाजपा के लिये एक नयी चुनौती बनेंगे। जाति आधारित जनगणना से भारतीय समाज के नये कोने-अंतरे-चुनौतियां सामने आयेगी। लेकिन जातिगत जनगणना के समर्थकों का मानना है कि यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। जनगणना में दलितों और आदिवासियों की संख्या तो गिनी जाती है और उन्हें राजनीतिक आरक्षण भी मिला हुआ है लेकिन पिछड़ी और अति पिछड़ी (ओबीसी और ईबीसी) जातियों के कितने लोग देश में हैं इसकी गिनती नहीं होती है। जनगणना एक बहुत बड़ी कवायद है और अगर इसमें जातिगत गणना को भी शामिल किया जा रहा है, तो काम और भी सावधानी एवं सतर्कता से करना होगा। हजारों जातियां हैं और उनकी हजारों उप-जातियां हैं। सबको अलग-अलग गिनने के लिए देश को अपनी डिजिटल शक्ति का उपयोग करना पड़ेगा।

निश्चित ही नयी राजनीतिक एवं नीतिगत स्थितियां समस्याएं खड़ी होगी। अब सभी जातियों की गिनती होगी। यह गिनती मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदायों में भी होनी चाहिए, क्योंकि कोई दावा कुछ भी करे, जाति और उसके आधार पर विभेद सब जगह है। इससे भी ज्यादा आवश्यक, बल्कि अनिवार्य यह है कि जातिगत जनगणना जातिवाद की राजनीति का हथियार न बने और वह भारतीय समाज को विभाजित न करने पाए। इस अंदेशे को दूर करने के कुछ ठोस उपाय होने ही चाहिए कि जाति आधारित जनगणना जातीय विभाजन का कारण न बनने पाए। यह अंदेशा इसलिए है, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि कई राजनीतिक दल खुले रूप से जाति की राजनीति करते हैं। माना जाता है कि देश की आबादी में 52 फ़ीसदी लोग पिछड़ी और अति पिछड़ी जाति के हैं। ओबीसी समुदाय के नेताओं का मानना है कि इस हिसाब से उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी काफ़ी कम है। राजनीतिक दल इन समुदायों का समर्थन हासिल करने के लिए जाति जनगणना का समर्थन कर रहे हैं।

भारत में जाति जनगणना आजादी के बाद रुकी, पर अब सामाजिक न्याय, नीतिगत सुधार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए इसकी जरूरत महसूस की जा रही है।

संदीप कुमार बी. अघारा

आदि शंकराचार्य ने हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित किया

महापुरुषों की कीर्ति युग-युगों तक स्थापित रहती। उनका लोकहितकारी चिंतन, दर्शन एवं कर्तृत्व कालजयी होता है, सार्वभौमिक, सार्वदैशिक एवं सार्वकालिक होता है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता हैं। आदि शंकराचार्य हमारे ऐसे ही एक प्रकाशस्तंभ हैं जिन्होंने एक महान हिंदू धर्माचार्य, दार्शनिक, गुरु, योगी, धर्मप्रवर्तक और संन्यासी के रूप में 8वीं शताब्दी में अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रचार किया था। हिन्दुओं को संगठित किया। उन्होंने चार मठों की स्थापना की, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। आदि गुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म में एक विशेष स्थान रखते हैं, उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करने का अर्थ है उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाना। उनके लिये इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय है। उन्हें हम धर्मक्रांति एवं समाज-क्रांति का सूत्रधार कह सकते हैं। अपने जन्मकाल से ही शिशु शंकराचार्य के मस्तक पर चक्र का चिन्ह, ललाट पर तीसरे नेत्र तथा कंधे पर त्रिशूल जैसी आकृति अंकित थी, इसी कारण आदि शंकराचार्य को भगवान शिव का अवतार भी माना जाता है। भगवान शिव ने उन्हें साक्षात् दर्शन देकर अंध-विश्वास, रूढ़ियों, अज्ञानता एवं पाखण्ड के विरूद्ध जनजागृति का अभियान चलाने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। उन्होंने नए ढंग से हिंदू धर्म का प्रचार-प्रसार किया और लोगों को सनातन धर्म का सही एवं वास्तविक अर्थ समझाया।

आदि शंकराचार्य के अनूठे प्रयासों से ही आज हिन्दू धर्म बचा हुआ है एवं सनातन धर्म परचम फहरा रहा है। शंकराचार्य ने अपने 32 वर्ष के अल्प जीवन में ही पूरे भारत की तीन बार पदयात्रा की और अपनी अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति और संगठन कौशल से उस समय के 72 संप्रदायों तथा 80 से अधिक राज्यों में बंटे इस देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में इस प्रकार बांधा कि यह शताब्दियों तक विदेशी आक्रमणकारियों से स्वयं को बचा सका और अखण्ड बना रहा। ऐसे दिव्य एवं अलौकिक संत पुरुष का जन्म धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आठवीं सदी में वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को केरल के कालड़ी गांव में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम शिवगुरु और माता का नाम आर्यम्बा था। बहुत दिन तक सपत्नीक शिव की आराधना करने के अनंतर शिवगुरु ने पुत्र-रत्न पाया था, अतः उसका नाम शंकर रखा। जब ये तीन ही वर्ष के थे तब इनके पिता का देहांत हो गया। ये बड़े ही मेधावी तथा प्रतिभाशाली थे। छह वर्ष की अवस्था में ही ये प्रकांड पंडित हो गए थे और आठ वर्ष की अवस्था में इन्होंने संन्यास ग्रहण किया था। इनके संन्यास ग्रहण करने के समय की कथा बड़ी विचित्र है। कहते हैं, माता एकमात्र पुत्र को संन्यासी बनने की आज्ञा नहीं दे रही थीं। तब एक दिन नदी किनारे एक मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर पकड़ लिया तब इस वक्त का फायदा उठाते हुए शंकराचार्यजी ने अपने माँ से कहा 'माँ मुझे संन्यास लेने की आज्ञा दो, अन्यथा यह मगरमच्छ मुझे खा जायेगां।' इससे भयभीत होकर माता ने तुरंत इन्हें संन्यासी होने की आज्ञा प्रदान की; और आश्चर्य की बात है कि जैसे ही माता ने आज्ञा दी वैसे ही तुरन्त मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर छोड़ दिया। इन्होंने गोविन्द नाथ से संन्यास ग्रहण किया, जो आगे चलकर आदि गुरु शंकराचार्य कहलाए।

आदि शंकराचार्य ने प्राचीन भारतीय उपनिषदों के सिद्धांत और हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित करने का अनूठा एवं ऐतिहासिक कार्य किया। साथ ही उन्होंने अद्वैत वेदान्त के सिद्धान्त को प्राथमिकता से स्थापित किया। उन्होंने धर्म के नाम पर फैलाई जा रही तरह-तरह की भ्रांतियों को मिटाने का काम किया। सदियों तक पंडितों द्वारा लोगों को शास्त्रों के नाम पर जो गलत शिक्षा दी जा रही थी, उसके स्थान पर सही शिक्षा देने का कार्य आदि शंकराचार्य ने ही किया। आज शंकराचार्य को एक उपाधि के रूप में देखा जाता है, जो समय-समय पर एक योग्य व्यक्ति को सौंपी जाती है। आदि गुरु शंकराचार्य ने हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए चार अगल दिशाओं में चार मठों की स्थापना की। भगवद्गीता, उपनिषदों और वेदांतसूत्रों पर लिखी हुई इनकी टीकाएँ बहुत प्रसिद्ध हैं। इन्होंने अनेक विधर्मियों को भी अपने धर्म में दीक्षित किया था। इन्होंने ब्रह्मसूत्रों की बड़ी ही विशद और रोचक व्याख्या की है।

आदि शंकराचार्य ने हिन्दुओं को संगठित करने के लिए सबसे पहले दक्षिण दिशा में तुंगभद्रा नदी के तट पर श्रंृगेरी मठ की स्थापना की। यहां के देवता आदिवाराह, देवी शारदाम्बा, वेद यजुर्वेद और महावाक्य 'अहं ब्रह्मस्मि' है। सुरेश्वराचार्य को मठ का अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके बाद उन्होंने उत्तर दिशा में अलकनंदा नदी के तट पर बद्रिकाश्रम (बद्रीनाथ) के पास ज्योतिर्मठ की स्थापना की जिसके देवता श्रीमन्नारायण तथा देवी श्रीपूर्णगिरि हैं। यहां के संप्रदाय का नाम आनंदवार, वेद अर्थवेद तथा महावाक्य 'अयमात्मा ब्रह्म' है। मठ का अध्यक्ष तोटकाचार्य को बनाया। पश्चिम में उन्होंने द्वारकापुरी में शारदा मठ की स्थापना की जहां के देवता सिद्धेश्वर, देवी भद्रकाली, वेद, सामवेद और महावाक्य 'तत्वमसि' है। इस मठ का अध्यक्ष हस्तमानवाचार्य को बनाया। उधर पूर्व दिशा में जगन्नाथ मठ, जहां की देवी विशाला, वेद ऋग्वेद और महावाक्य 'प्रज्ञान ब्रह्म' है। यहां उन्होंने हस्तामलकाचार्य को मठ का अध्यक्ष बनाया। इस प्रकार शंकाराचार्य ने अपने सांगठनिक कौशल से संपूर्ण भारत को धर्म एवं संस्कृति के अटूट बंधन में बांधकर विभिन्न मत-मतांतरों के माध्यम से सामंजस्य स्थापित किया।

आठ वर्ष की आयु में चारों वेदों में निष्णात हो गए, बारह वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत, सोलह वर्ष की आयु में शांकरभाष्य तथा बत्तीस वर्ष की आयु में शरीर त्याग दिया। ब्रह्मसूत्र के ऊपर शांकरभाष्य की रचना कर विश्व को एक सूत्र में बांधने का प्रयास भी शंकराचार्य के द्वारा किया गया है, जो कि सामान्य मानव से सम्भव नहीं है। शंकराचार्य के दर्शन में सगुण ब्रह्म तथा निर्गुण ब्रह्म दोनों का हम दर्शन कर सकते हैं।

भूपत सांवलिया

किरीट ए. चावड़ा

श्रीकृष्ण-भक्ति के दिव्य एवं अलौकिक प्रतीक हैं सूरदास

इस संसार में यदि सबसे बड़ा कोई संगीतकार है तो वो हैं श्रीकृष्ण। जिस प्रकार से तत्व, रज और तम-इन तीनों गुणों के समन्वय को प्रकृति कहा गया है, उसी प्रकार से गायन, वादन और भक्ति इन तीनों में जो रमा हो, जो पारंगत हो उसे श्रीकृष्ण-भक्त गया गया है। ऐसे ही दिव्य एवं अलौकिक श्रीकृष्ण भक्ति के एक महान् चितेरे एवं श्रीकृष्ण भक्ति को समर्पित शीर्षस्थ भक्त-कवि व्यक्तित्व हैं सूरदासजी। वे एक दृष्टिहीन संत थे, जिन्होंने पूरी दुनिया को श्रीकृष्ण भक्ति का मार्ग दिखाया। वे बचपन से ही भगवान श्रीकृष्ण के प्रति समर्पित थे और उनकी भक्ति में पूरी तरह से डूब गए। वे एक महान भक्ति कवि एवं हिन्दी साहित्य के सूर्य माने जाते हैं। उनका आदर्श चरित्र और जीवन दर्शन अंधेरे को भी उजाला प्रदान करता है। वे जहां भक्त, वैरागी, त्यागी और संत थे, वहीं वह उत्कृष्टतम काव्य प्रतिभा के धनी एवं गायन में कुशल भी थे। इसलिए उनके अन्तर्मन की पावन भक्तिधारा मन्दाकिनी की भांति कल-कल करके प्रस्फुटित हुई।

सूरदास ने जीवनपर्यंत भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति की और ब्रज भाषा में उनकी लीलाओं का वर्णन किया। कान्हा की भक्ति में उन्होंने कई गीत, दोहे और कविताएं लिखी हैं। प्रभु श्रीकृष्ण का गुणगान करते हुए उन्होंने सूरसागर, सूर-सारवली और साहित्य लहरी जैसी महत्वपूर्ण रचनाएं कीं, जो भक्ति-साहित्य की अनमोल धरोहर है। उनका जन्म एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में संभवतः सन् 1535 की वैशाख शुक्ल पंचमी को हुआ जो इस वर्ष की 2 मई, 2025 है। चार भाइयों में सूरदास सबसे छोटे एवं नेत्रहीन थे। माता-पिता इनकी ओर से उदासीन रहते थे। निर्धनता एवं माता-पिता की उनके प्रति उदासीनता ने उन्हें विरक्त बना दिया। वह घर से निकल कर चार कोस की दूरी पर तालाब के किनारे रहने लगे।

सूरदास, श्रीकृष्ण भक्ति के महान कवियों में से एक हैं, जिनकी भक्ति में प्रेम, माधुर्य और विरह का अनूठा संगम है। सूरदास की भक्ति सगुण भक्ति धारा के पुष्टिमार्ग से जुड़ी है, जहाँ वे श्रीकृष्ण को अपने जीवन का सर्वस्व मानते हैं। उनकी भक्ति में सख्य भाव की प्रधानता है, जहाँ वे श्रीकृष्ण को अपना सखा मानते हैं और उनके साथ प्रेममय संबंध स्थापित करते हैं। सूरदास का व्यक्तित्व भी बहुत विरल है, वे एक अनूठे भक्त थे जो श्रीकृष्ण के प्रति सर्वात्मना समर्पित थे और उनकी भक्ति में पूरी तरह से लीन थे। उन्होंने ऐसे समय में श्रीकृष्ण भक्ति की धारा प्रवाहित की जब समाज में धर्म की हानि हो रही थी, अधर्म पुष्ट हो रहा था, सज्जन कष्ट झेल रहे थे और दुर्जन आनन्द भोग रहे थे। ऐसे समय में सूरदास भला तटस्थ कैसे रहते? इस तरह सूरदास की भक्ति केवल श्रीकृष्ण तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि उन्होंने अपने काव्य में मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को भी चित्रित किया है।

मान्यता के अनुसार एक बार सूरदास श्रीकृष्ण की भक्ति में इतने डूब गए थे कि वे एक कुंए में जा गिरे, जिसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने खुद उनकी जान बचाई और आंखों की रोशनी वापस कर दी। जब श्रीकृष्ण भगवान ने उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर वरदान में कुछ मांगने के लिए कहा तो उन्होंने कहा कि 'आप फिर से मुझे अंधा कर दें। मैं श्रीकृष्ण के अलावा अन्य किसी को देखना नहीं चाहता।' वे भले ही अंधे थे, लेकिन उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं को अपने हृदय से देखा और सुना और उनके बारे में सुंदर पद लिखे। संत सूरदास द्वारा रचित काव्य साहित्य का महत्वपूर्ण योगदान भारतीय लोक संस्कृति और परम्परा को उच्च शिखर पर आसीन कराने में हुआ। उन्होंने द्वापर के नायक श्रीकृष्ण की बाल-लीलाओं का समसामयिक लोक-आस्था के अनुरूप चित्रण किया और भगवान को एक लोकनायक के रूप में प्रस्तुत किया। भगवान को लौकिक रूप में प्रस्तुत कर सूरदासजी ने हमारे समाज को एक नई आस्था एवं नई भक्ति की अवधारणा दी है। वास्तव में सूरदासजी का काव्य लालित्य, सौन्दर्य, वात्सल्य, श्रृंगार, शांत रस और प्रेम का काव्य है।

कुछ लोगों के अनुसार सम्राट अकबर सूरदास से मिलने आए थे। कहते हैं कि तानसेन ने अकबर के समक्ष सूरदास का एक पद गाया। पद के भाव से मुग्ध होकर सम्राट अकबर मथुरा जाकर सूरदास से मिले। सूरदास ने बादशाह को 'मना रे माधव सौं करु प्रीती गाकर सुनाया।' बादशाह ने प्रसन्न होकर सूरदास को अपना यश वर्णन करने का आग्रह किया। तब निर्लिप्त सूरदास ने 'नाहिन रहनो मन में ठौर' पद गाया। पद के अंतिम चरण 'सूर ऐसे दरस को ए मरत लोचन व्यास' को लेकर बादशाह ने पूछा "सूरदासजी आप नेत्र ज्योति से वंचित हैं, फिर आपके नेत्र दरस को कैसे प्यासे मरते हैं?" सूरदासजी ने कहा, "ये नेत्र भगवान को देखते हैं और उस स्वरूप का रसपान प्रतिक्षण करने पर भी अतृप्त बने रहते हैं।" अकबर ने सूरदास से द्रव्य-भेंट स्वीकार करने का अनुरोध किया पर निडरतापूर्वक भेंट अस्वीकार करते हुए सूरदासजी ने कहा आज पीछे हमको कबहूं फेरि मत बुलाइयो और मोको कबहूं लिलियो मती।

सूरदासजी संगीत-शास्त्र के परम ज्ञाता, काव्य नेपुण्य एवं गान-विद्या विशारद विषय में प्रतिभा सम्पन्न थे। सूरदास आशु कवि थे। उन्होंने काव्य लिखा नहीं बल्कि उनके मुखारविन्द से स्वतः श्रीकृष्ण की लीला गान करते हुए पद झड़ने लगे थे और वे पद रूप सामृत-बिन्दू की तरह एकत्र होकर सागर ही नहीं काव्य रस का महासागर बन गए, जिसे 'सूरसागर' के नाम से जाना जाता है। महाकवि सूरदासजी का जीवन वृत स्वल्प अंश में ही ज्ञात है। उनके लिए महत्व अपनी अस्मिता का नहीं, आराध्य का था। इसलिए उनके जीवन संबंधी साक्ष्य नहीं के बराबर मिलते हैं। कुल मिलाकर 'संसार से विराग और ईश्वर से राग' यही सूरदास की आरंभिक दौर की भक्ति का मूल आधार रहा है, जिसे उन्होंने बड़ी तल्लीनता के साथ व्यक्त किया है। सूरदास ने स्वयं को अपने ईश्वर का तुच्छ सेवक मानते हुए उनके समक्ष दैन्य प्रकट किया है। इस कारण सूरदास की भक्ति 'दास्य भाव' की भक्ति कहलाती है, जिसमें भक्त स्वयं को अपने ईश्वर का दास मानकर उनकी सेवा और भक्ति करता है।

एक प्रसंग प्रचलित है कि सूरदास जब गाऊघाट पर रहते थे तो उन्हें वहां एक दिन वल्लभाचार्य के आने का पता चला। सूरदास उचित समय पर वल्लभाचार्य से मिलने गए और उनके आदेश पर अपने रचित दो पद उन्हें गाकर भी सुनाए-'हौं हरि सब पतितन कौ नायक' एवं 'प्रभु! हौं सब पतितन कौ टीकौ।' वल्लभाचार्य ने सूरदास के इन दीनतापूर्ण पदों को सुना और उन्होंने सूरदास से कहा कि-'जो सूर ह्वै कै ऐसो घिघियात काहे को है? कुछ भगवत् लीला वर्णन करौ।' इस पर सूरदास ने वल्लभाचार्य से कहा कि- 'प्रभु! मुझे तो भगवान की लीलाओं का किंचित भी ज्ञान नहीं।' ऐसा सुनकर वल्लभाचार्य ने सूरदास को अपने संप्रदाय में स्वीकारते हुए पुष्टिमार्ग में दीक्षित करने का निश्चय किया। उन्होंने सूरदास को श्रीमद्भागवत के दशम स्कंध की बनाई हुई अपनी अनुक्रमणिका सुनाई, जिसके पश्चात् सूरदास ने विनय के पदों का गान छोड़कर पुष्टिमार्गी परिपाटी के अनुसार ईश्वर की भक्ति का वर्णन करना आरंभ कर दिया।

सूरदास ने ब्रजभाषा में सरल, सहज बोधगम्य भाषा का प्रयोग किया है, जिससे उनकी भक्ति भावना और अधिक प्रभावशाली हो गई है। सूरदास की रचनाओं में संगीत का भी महत्वपूर्ण स्थान है, जो उनकी भक्ति भावना को और भी दिव्य, सुंदर और मधुर बनाता है।

मुंबई में नया ग्लोबल एंटरटेनमेंट हब बनाएंगे प्राइम फोकस ग्रुप और महाराष्ट्र सरकार

महाराष्ट्र सरकार और प्राइम फोकस का बड़ा ऐलान, मुंबई में बनेगा 3000 करोड़ में वर्ल्ड क्लास एंटरटेनमेंट हब

मुंबई में नया ग्लोबल एंटरटेनमेंट हब बनाएंगे प्राइम फोकस ग्रुप और महाराष्ट्र सरकारप्राइम फोकस ग्रुप ने महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर मुंबई में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए करीब 3000 करोड़ रुपये (यानी लगभग 400 मिलियन डॉलर) के बड़े निवेश के लिए हाथ मिलाया है।यह निवेश दुनिया के सबसे पुराने फिल्म इंडस्ट्री हब में से एक के दिल में, सबसे एडवांस और डिजिटल रूप से जुड़े कंटेंट क्रिएशन इकोसिस्टम को तैयार करेगा।ये नया हब, जहां वर्ल्ड क्लास एंटरटेनमेंट और लाइफस्टाइल का मज़ा मिलेगा, देश-विदेश से आने वाले टूरिस्टों को अपनी ओर खींचने के मकसद से तैयार किया जा रहा है।ये मल्टी-ईयर प्रोजेक्ट इलाके में हजारों हुनरमंद लोगों के लिए नए रोज़गार के मौके लेकर आएगा।दुनिया की सबसे बड़ी इंडिपेंडेंट इंटीग्रेटेड मीडिया सर्विस कंपनी प्राइम फोकस ग्रुप ('द ग्रुप') ने आज महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर ऐलान किया है कि वो मुंबई में, भारत के फिल्म मेकिंग इंडस्ट्री के दिल में, एक नया ग्लोबल एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन तैयार करने जा रहे हैं। इस ऐलान में बताया गया है कि प्राइम फोकस ग्रुप और महाराष्ट्र सरकार मिलकर करीब 3000 करोड़ रुपए (लगभग 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का निवेश करने जा रहे हैं, जिससे मुंबई में एक नया एंटरटेनमेंट इकोसिस्टम विकसित होगा। ये जगह दुनिया भर के कंटेंट क्रिएटर्स, टूरिस्ट्स और एंटरटेनमेंट के शौकीनों के लिए एक खास डेस्टिनेशन बनेगी, और साथ ही इस प्रोजेक्ट से इलाके में हजारों हाई-स्किल्ड नौकरियां भी पैदा होंगी। प्राइम फोकस की शुरुआत 1997 में उसके फाउंडर नमित मल्होत्रा ने की थी। ये कंपनी भारत के नेशनल और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड है। प्राइम फोकस ग्रुप के अंतर्गत आठ बार अकादमी अवार्ड© जीतने वाली विजुअल इफेक्ट्स और एनीमेशन कंपनी DNEG, AI टेक्नोलॉजी कंपनी BRAHMA और कंटेंट फाइनेंसिंग और प्रोडक्शन कंपनी प्राइम फोकस स्टूडियोज भी शामिल हैं। नए साइट पर जो सुविधाएं दी जाएंगी, वो हैं:- कंटेंट क्रिएशन के लिए शानदार प्रोडक्शन स्टूडियो, जो नई और स्मार्ट डिजिटल टेक्नोलॉजी से लैस होंगे- एक ग्लोबल एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन का बनना, जिसमें लाइव शो, थीम पार्क्स और मजेदार अनुभव देने वाले सेंटर होंगे- और लाइफस्टाइल के अनुभव, जैसे शॉपिंग और खाने-पीने की जगहें, अच्छे होटल, घर और और भी बहुत कुछ। प्राइम फोकस ग्रुप पहले ही मुंबई में एशिया की सबसे बड़ी प्रोडक्शन फैसिलिटी का मालिक है और उसे ऑपरेट करता है, जिसमें 200,000 स्क्वायर फीट के स्टूडियो कॉम्प्लेक्स में आठ हॉलीवुड-डिज़ाइन किए गए साउंडस्टेज़ शामिल हैं। ग्रुप की पोस्ट-प्रोडक्शन फैसिलिटी, जिसमें उसका DNEG मुंबई स्टूडियो भी शामिल है, पास ही स्थित है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, ₹विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण और एक बेहतर भविष्य, ये सब महाराष्ट्र के विकास के लिए जरूरी हैं। जैसे हम मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन, कोस्टल रोड और वधवन पोर्ट जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं, मुझे खुशी है कि इस नए एंटरटेनमेंट हब के निर्माण को भी उन प्रोजेक्ट्स में शामिल किया जा रहा है जो हमारे राज्य को बदल रहे हैं और भारत के विकास में हमें सबसे आगे रख रहे हैं। मैं प्राइम फोकस और DNEG के साथ मिलकर एक बेहतरीन प्रोडक्शन और टूरिज्म डेस्टिनेशन बनाने के लिए तैयार हूं, जिससे मुंबई को फिल्म और एंटरटेनमेंट का प्रमुख केंद्र बनाया जा सके।₹प्राइम फोकस ग्रुप के फाउंडर नमित मल्होत्रा ने कहा, ₹इस विकास के लिए मेरी जो सोच है, जो माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस के साथ शेयर की गई है, वो हमारी फिल्म इंडस्ट्री की 100+ साल पुरानी धरोहर को मान्यता देना है। हम प्राइम फोकस ग्रुप की कंपनियों की ताकत को मिलाकर - जिसमें DNEG की ऑस्कर-विजेता क्रिएटिविटी, ब्रह्मा की AI टेक्नोलॉजी और प्राइम फोकस स्टूडियोज की फाइनेंसिंग और प्रोडक्शन की क्षमता शामिल है - दुनिया का सबसे एडवांस और इनोवेटिव कंटेंट क्रिएशन सेंटर बनाना चाहते हैं, जो मुंबई में हमारी फिल्ममेकिंग हेरिटेज के केंद्र में होगा।₹ मल्होत्रा ने कहा, ₹हमारे देश की क्राफ्टमैनशिप और नएपन का फायदा उठाते हुए, हम सिर्फ दुनिया का सबसे बड़ा कंटेंट बनाने वाला सेंटर नहीं बना रहे हैं; बल्कि हम एक ऐसा जगह भी बना रहे हैं जो भारत की संस्कृति, हमारे इतिहास और हमारी ताकत को पूरी दुनिया के सामने लाएगा, साथ ही शानदार एंटरटेनमेंट और लाइफस्टाइल का अनुभव भी देगा।₹ वह आगे कहते हैं,₹ये नया सेंटर इस बात की बेहतरीन मिसाल बनेगा कि टेक्नोलॉजी, क्रिएटिविटी और एंटरटेनमेंट के मामले में भारत क्या-क्या कर सकता है। ये जगह दुनिया भर के लोगों के लिए एक मजेदार टूरिज़्म डेस्टिनेशन बनेगी – वो भी दुनिया की सबसे पुरानी फिल्म इंडस्ट्री में से एक, मुंबई के बीचोबीच। हम दुनिया को भारत ला रहे हैं और भारत को दुनिया से जोड़ रहे हैं।

दिल्ली सरकार जीएसटी के लिए एक एमनेस्टी स्कीम लाएगी- वेयरहाउसिंग एवं इंडस्ट्रियल पालिसी शीघ्र घोषित होगी- रेखा गुप्ता

किसी प्रदेश के मुख्यमंत्री का व्यापारिक संगठन के शपथ विधि समारोह में उपस्थित रहना एक ऐतिहासिक घटना : शंकर ठक्कर

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष भरतिया का किया सम्मान

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज कैट द्वारा भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित व्यापारिक नेताओं के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं।इस अवसर कर मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया को उनकी व्यापारिक सेवाओं के लिए सम्मानित भी किया।इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद रामवीर सिंह बिधुड़ी, श्रीमती बांसुरी स्वराज, श्रीमती कमलजीत सहरावत, दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा, मनजिंदर सिंह सिरसा, दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह तथा उप महापौर जयभगवान यादव सहित दिल्ली के 500 से अधिक प्रमुख व्यापारी नेता भी मौजूद थे। कैट के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष विपिन आहूजा के नेतृत्व में कैट के दिल्ली प्रदेश के 55 पदाधिकारियों ने अपने नए कार्यकाल की शपथ भी ग्रहण कीमुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने भरतिया जी को एक अद्वितीय सेवाभावी इंसान बताते हुए देश के व्यापारियों के लिए उनकी सेवाओं की याद दिलाते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में कैट देश के आम व्यापारी के लिए पूर्ण समर्पण से काम करेगा। श्रीमती रेखा गुप्ता ने व्यापारियों के लिए अनेक घोषणाएं की । जीएसटी माफ़ी योजनामुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार जल्द ही जीएसटी में एक बार की माफी योजना लागू करेगी। इससे व्यापारियों को पुरानी बकाया राशि की समस्याओं से राहत मिलेगी और व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी।वेयरहाउसिंग और औद्योगिक नीतिउन्होंने कहा कि शीघ्र ही दिल्ली के लिए वेयरहाउसिंग नीति और औद्योगिक नीति का प्रारूप तैयार किया जाएगा। इन नीतियों के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ेगा तथा उद्यमशीलता को और प्रोत्साहन मिलेगा।प्रमुख बाजारों का नवीनीकरणउन्होंने उल्लेख किया कि दिल्ली के प्रमुख बाजारों को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर नवीनीकृत किया जाएगा। इससे न केवल व्यापारिक वातावरण सुधरेगा बल्कि रोज़गार के नए अवसर भी पैदा होंगे।व्यापार एवं उद्योग में नए अवसरमुख्यमंत्री ने कहा कि नए व्यापार और उद्योग संबंधी अवसर विकसित किए जाएंगे, जिससे दिल्ली में रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। इससे राज्य की आर्थिक वृद्धि दर में भी इज़ाफ़ा होगा।व्यापारियों के अनुकूल सरकारमुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दोहराया कि दिल्ली सरकार व्यापारियों के अनुकूल है और व्यापार को दिल्ली की रीढ़ माना जाता है। सरकार व्यापारिक समुदाय की समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए उनकी बेहतरी के लिए नीतियाँ बना रही है।सहायक नीतियाँ एवं 'सिंगल विंडो' योजनाउन्होंने बताया कि 'सिंगल विंडो' योजना सहित अन्य सहायक नीतियाँ व्यापार एवं उद्योग के लिए शीघ्र ही लागू की जाएंगी। इन योजनाओं से व्यापार प्रक्रियाएँ सरल होंगी तथा निवेशकों को कई योजनाओं का लाभ एक ही जगह पर उपलब्ध होगा।मुख्यमंत्री ने सांसद प्रवीन खंडेलवाल जो कैट के राष्ट्रीय महामंत्री भी हैं, से आग्रह किया कि वो वेयरहाउसिंग नीति और औद्योगिक नीति का ड्राफ्ट तैयार कर सरकार के साथ साझा करें जिससे व्यापार एवं उद्योग की जरूरत के अनुसार नीतियां बनाई जा सकें।ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड की घोषणामुख्यमंत्री ने व्यापारियों के हितों की रक्षा और विकास के लिए 'ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड' के गठन किए जाने की घोषणा की। इससे व्यापारिक समुदाय को सरकारी नीतियों में अधिक भागीदारी सुनिश्चित होगी।इस मौके पर सांसद खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली का व्यापारी समुदाय दिल्ली को आत्मनिर्भर आर्थिक राजधानी बनाने के लिए सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने को तैयार है और राज्य सरकार के लिए दुगना राजस्व उत्पन्न करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सरकार की पहल का स्वागत करते हुए व्यापार क्षेत्र में सहयोग की बात दोहराई। उन्होंने कहा की दिल्ली को आर्थिक राजधानी बनाने के लिए दिल्ली सरकार एक दिल्ली इकोनॉमिक डेवलपमेंट काउंसिल का गठन करे जो सभी संबंधित लोगों से चर्चा का दिल्ली के लिए एक सुदृढ़ आर्थिक प्लान तैयार करे जिससे दिल्ली में व्यापार एवं उद्योग सहित रोजगार के बड़े अवसर निर्मित किए हा सकें तथा दिल्ली का सदियों पुराना व्यापारिक वितरण स्वरूप को पुनर्जीवित किया जा सके । उन्होंने कहा कि दिल्ली के व्यापारी दिल्ली सरकार के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को दिल्ली में एक इकोनॉमिक समिट करने का भी सुझाव दिया जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के बड़े व्यापारियों एवं उद्योगपतियों को दिल्ली में उद्योग लगाने के लिए प्रेरित किया जा सके।*शंकर ठक्कर ने कहा दिल्ली कैट टीम के नवनियुक्त सदस्यों की शपथ विधि में दिल्ली की आदरणी मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता एवं इतनी बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेता गण का उपस्थित रहना यह एक ऐतिहासिक घटना है। ऐसा इतिहास में पहली बार हुआ है जब किसी व्यापारिक संगठन के शपथ विधि समारोह में किसी प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अपनी उपस्थिति दर्ज की हो। आज देश भर में कैट के साथ जुड़े हुए सभी व्यापारी अपने आप को कैट का हिस्सा होने के लिए गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। मैंने मेरी और अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ की ओर से विपिन आहूजा के नेतृत्व में दिल्ली की नवनियुक्त टीम को बहुत-बहुत अभिनंदन एव नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।: कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स(कैट)राष्ट्रीय मंत्री : श्री शंकर ठक्कर

गौ माता राष्ट्र माता अभियान"के अंतर्गत वाराणसी में गौ माता की डीएनए परीक्षण प्रयोगशाला का शुभारंभ

वाराणसी, 3 . 5 . 25 सनातन संस्कृति में गौ माता को मात्र एक पशु नहीं,बल्कि मातृशक्ति और सात्विक ऊर्जा के स्रोत के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है।हमारे शास्त्रों में स्पष्ट रूप से वर्णित है कि गौ के बिना हिंदू संस्कृति की कल्पना भी नहीं की जा सकती।आज जब पूरा समाज सात्विक ऊर्जा और शुद्ध वातावरण की आवश्यकता महसूस कर रहा है,तब दुर्भाग्यवश गौ माता की उपेक्षा और हत्या निरंतर बढ़ रही है।इसी पीड़ा को अनुभव करते हुए,देशभर के गौ सेवकों ने पूज्यपाद ज्योतिष्पीठाधीश्वर एवं द्वारका शारदापीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज से निवेदन किया कि वे आगे आकर गौ माता की रक्षा सुनिश्चित करें।गौ सेवा और राष्ट्र सेवा की भावना से प्रेरित होकर पूज्य शंकराचार्य जी महाराज ने "गौ माता राष्ट्र माता अभियान" का श्रीगणेश किया।इस अभियान के अंतर्गत देशभर में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि गौ की पहचान वैज्ञानिक पद्धति से हो सके।इसके लिए प्रत्येक गौ का डीएनए परीक्षण कर यह स्पष्ट किया जाएगा कि कौन गाय है और कौन गवय (गौ के नाम पर अन्य पशु)।इसी क्रम में आज शंकराचार्य जी महाराज के आदेशानुसार श्री विद्यामठ,केदारघाट, वाराणसी में गौ माता की डीएनए परीक्षण हेतु एक आधुनिक प्रयोगशाला की स्थापना की गयी।यह प्रयोगशाला "गौ माता राष्ट्र माता अभियान" का एक महत्वपूर्ण स्तंभ सिद्ध होगी और गौ माता की रक्षा तथा संरक्षण के कार्य को वैज्ञानिक आधार प्रदान करेगी।इस अवसर पर श्रीविद्यामठ के प्रभारी परमात्मानन्द जी ने कहा कि हम सभी सनातन धर्मावलम्बियों से आह्वान करते हैं कि वे इस पावन कार्य में तन-मन-धन से सहयोग करें और गौ माता के संरक्षण को राष्ट्र रक्षा का प्रमुख कर्तव्य समझें।उक्त जानकारी परमधर्माधीश शंकराचार्य जी महाराज के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय ने दी है।इस अवसर पर अविनाश जी,गिरीश जी,हजारी जी आदि जन उपस्थित रहे। पूजन आचार्य विनय जी ने सम्पन्न कराया।प्रेषकसंजय पाण्डेय-मीडिया प्रभारी।परमाराध्य परमधर्माधीश ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य जी महाराज।

वरिष्ठ पत्रकार जीतु सोमपुरा को 'गुजरात गौरव सम्मान' – पत्रकारिता और संस्कृति सेवा का अद्वितीय संगम

वडोदरा : गुजरात के 65वें स्थापना दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर पत्रकारिता, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वरिष्ठ पत्रकार श्री जीतु सोमपुरा को 'गुजरात गौरव सम्मान अवॉर्ड 2025' से नवाजा गया। यह सम्मान उन्हें गुजरात सिने मीडिया अवॉर्ड परिवार (जीसीएमए) द्वारा आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। यह गरिमामय कार्यक्रम (जीसीएमए) के संस्थापक अध्यक्ष, पत्रकार संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष और 'स्वर्णिम' पत्र-चैनल के संपादक अमित दिनेशभाई पटेल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में राज्य की विविध विधाओं से जुड़ी प्रतिभाओं को भी उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।जीत की कहानी – धर्म, पत्रकारिता और रचनात्मकता का संगमइस विशेष अवसर पर जायंट्स क्लब अहमदाबाद की अध्यक्ष और सुप्रसिद्ध फिल्म-नाट्य निर्मात्री हेमलबेन शाह ने श्री सोमपुरा को सम्मान प्रदान किया। पत्रकारिता जगत में चार दशकों से अधिक समय से सक्रिय जीतु सोमपुरा बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं – वे लेखक, निर्देशक, पत्रकार, कैमरामैन और कलाकार जैसे विविध रूपों में अपनी छवि बना चुके हैं।प्रिंट से डिजिटल तक का प्रेरक सफरश्री सोमपुरा ने 'जनशक्ति', 'जन्मभूमि प्रवासी', 'मुंबई समाचार', 'गुजरात समाचार' जैसे प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में वरिष्ठ उपसंपादक एवं स्तंभ लेखक के रूप में कार्य किया। साथ ही प्रथम गुजराती धार्मिक सांस्कृतिक चैनल गुर्जरी, हिन्दी चैनल 'आस्था', 'संस्कार', 'इंडिया ऑनलाइन' आईपीटीवी की ज्ञान , 'पीस ऑफ माइंड' जैसे लोकप्रिय चैनलों के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भी अपनी गहरी छाप छोड़ी। वर्तमान में वे 'सुख शांति समृद्धि' डिजिटल पत्रिका, यूट्यूब चैनल, पोर्टल और विद्यापीठ के संस्थापक-संपादक के रूप में कार्यरत हैं।50 वर्षों की तपस्या का आरंभ – सुनहरे भविष्य की दस्तकश्री सोमपुरा की पत्रकारिता यात्रा अगले वर्ष अपनी स्वर्ण जयंती में प्रवेश करेगी।

इस दौरान उन्होंने सैकड़ों धार्मिक लेखों का संकलन किया, धार्मिक पत्रकारिता में चार गुजराती और हिंदी चैनलों में सक्रिय योगदान दिया, 'अक्षर संवाद' जैसी प्रेरक पुस्तक लिखी, और 6 फिल्म-टीवी सीरियल, 500 से अधिक डॉक्यूमेंट्री व प्रेरक एपिसोड का निर्माण किया।उन्हें गुजरात सरकार द्वारा श्रेष्ठ चलचित्र पटकथा अवॉर्ड सहित कई प्रतिष्ठित संगठनों से सम्मान मिल चुका है। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि उस विचारधारा को समर्पित है जो धर्म, संस्कृति और पत्रकारिता को एकसूत्र में बांधती है।जीतु सोमपुरा निस्संदेह पत्रकारिता जगत में प्रेरणा का स्तंभ बनकर उभरे हैं।

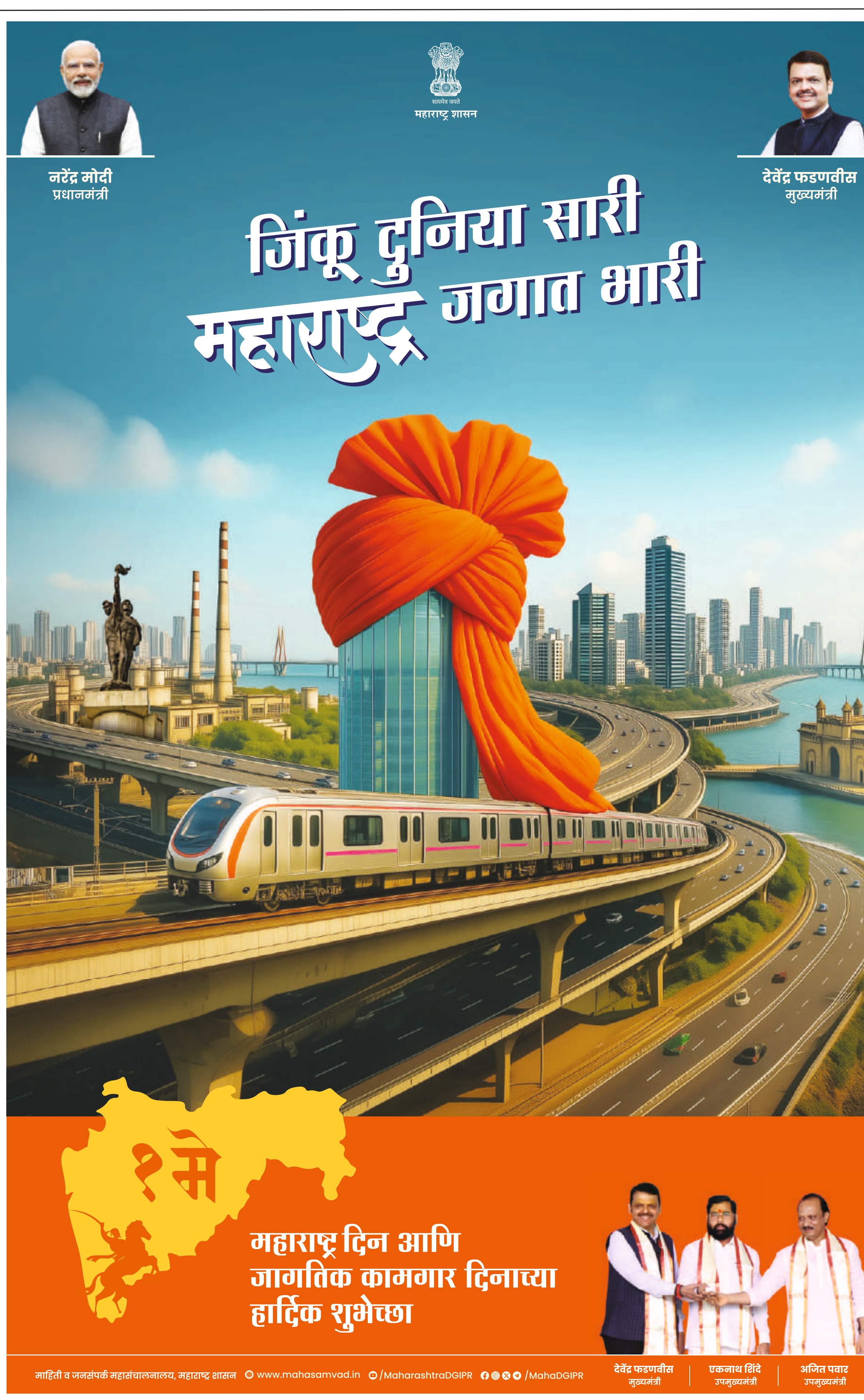

ऐसे करें बुरे दौर का मुकाबला

जीवन के उतार-चढ़ाव का आनंद लें

चार्ल्स पटेल

बुरे दौर का सामना जिंदगी में हर किसी को कभी न कभी करना ही पड़ता है। यह ऐसा समय है जबकि चीजें ठीक नहीं होती हैं और कड़ी मेहनत के बावजूद सफलता दूर बनी रहती है। इस समय व्यक्ति अपनी योग्यता पर संदेह करने लगता है। कई मौकों पर तो उसकी हिमत भी टूटने लगती है। बुरे दौर का डटकर सामना करना आगे बढ़ने के लिए बहुत जरूरी है। इस दौर से पार पाने में कुछ तरीके आपके लिए मददगार हो सकते हैं।

राज के.वेगड़

बुरे को छोड़कर आगे बढ़ें

जब भी जिंदगी में कटु अनुभवों या बुरे दौर से आपका सामना हो तो खुद को उसमें उलझाए रखने के बजाय अपने काम पर ध्यान दें। ऐसे वक्त में अक्सर व्यक्ति अपनी कहानी दूसरों को सुनाकर उनसे सहानुभूति चाहता है लेकिन यह आपकी बहुत मदद नहीं करता है। जब भी आप इस कहानी को दूसरों के सामने रखते हैं तो बार-बार उसी कहानी में जिंदगी जीने लगते हैं। बिजनेस का नुकसान, रिश्तों में अलगाव और निराशा से खुद को बाहर निकालने के तरीकों के बारे में सोचना चाहिए। जिस स्थिति में आप खुद को पा रहे हैं उस स्थिति से बाहर निकलने के बारे में सोचने पर ध्यान केंद्रित करेंगे तो ज्यादा फायदा पाएंगे।

आगे की राह

जब भी आप अपने साथ हुए हादसे में ही फंसे रहते हैं तब तक उससे बाहर निकलने के रास्ते के बारे में नहीं सोच पाते हैं। इसलिए जितनी जल्दी हो सके अपने आपको कोसना बंद करें और आगे के बारे में सोचें। अपने साथ हुए बुरे को आप नई राह खुलने का संकेत भी मान सकते हैं। जैसे अगर आपकी नौकरी चली जाए तो उससे डिप्रेशन में जाने के बजाय आपको यह सोचना चाहिए अब आप अपना मनचाहा काम तलाश सकते हैं। कोई भी एक राह बंद होती है तो चार नई राहें खुलती हैं इस बात में यकीन रखें।

दोष देना बंद करें

'अगर आप ऐसा न करके वैसा करते तो शायद यह नहीं होता।' अक्सर इस तरह के वाक्यों के सहारे लोग अपने आप को दिलासा देने की कोशिश करते हैं लेकिन खुद को इस तरह कोसना ठीक नहीं है। अगर आप किसी मुसीबत में फंस गए हैं तो यह न सोचें कि आपने यह गलती कर दी है बल्कि यह सोचें कि इस कदम को आप ठीक कैसे कर सकते हैं। अगर, मगर, यदि, किंतु, परंतु जैसे वाक्यों के साथ अपने मन में नकारात्मक ख्याल लाने से आप आगे बढ़ने की क्षमता और योग्यता दोनों का नुकसान करते हैं। इस तरह के विचार को छोड़कर आगे बढ़ने के रास्तों को तलाशें।

दूसरा रास्ता चुनते तोड़

आप अक्सर यह सोचते हैं कि आपने गलत रास्ता चुन लिया और इस मुसीबत में फंस गए लेकिन आप इस तरह सोचिए कि अगर आप दूसरा रास्ता चुनते तो शायद ज्यादा बड़ी मुसीबत में फंस सकते थे। अपनी मौजूदा स्थिति के बारे में खुद को कोसने के बजाय यह सोचिए कि आपने अपनी परिस्थितियों को देखते हुए निर्णय लिया था और उस वक्त वह निर्णय बिल्कुल ठीक था। फिर यहां खुद पर भरोसा भी रखना होगा कि आप इस स्थिति से भी खुद को बाहर निकाल लेंगे।

जो होगा अच्छा होगा

किसी भी गलत निर्णय के बाद आप खुद को बहुत सारी शंकाओं के बीच पाते हैं लेकिन याद रहे कि कोई भी स्थिति हमेशा नहीं रहने वाली है और समय के साथ आप हर तरह की स्थिति से अपने आप को बाहर निकाल लेते हैं। कोई खुशी हमेशा टिकने वाली नहीं होती और उसी तरह समस्या भी हमेशा नहीं रहती है।

अगर आप अपनी जिंदगी के गुजरे वर्षों को देखेंगे तो पाएंगे आपने पहले भी कई मुश्किलों पर जीत दर्ज की है। ऐसे समय में अपनी पुरानी उपलब्धियों को देखना आपको आगे बढ़ने में मदद ही करेगा।

इन कारणों की वजह से आते हैं खराटे, ऐसे पाएं छुटकारा

सोते वक्त खरार्टे लेना आम सी बात है। हमने कई बार कई लोगों को कई तरीकों से खरार्टे लेते हुए देखा है। लेकिन कई बार इन खरार्टे की आवाज की वजह से आसपास सो रहे लोगों को सोने में दिक्कत भी होती है और वो परेशान है जाते हैं। तो चलिए आज जानते हैं कि आखिर खरार्टे क्यों आते हैं और इन्हें आसान तरीकों से कैसे दूर किया जा सकता है।

आपको बता दें कि खरार्टे आने के कई कारण हो सकते हैं। सोते वक्त जोर-जोर से खरार्टे लेना एक तरह की बीमारी भी होती जाती है जिसे Obstructive Sleep अस्त्रल्लीं कहते हैं। इसके अलावा खरार्टे सोने के तरीके, डर रात तक जागना, शराब का ज्यादा सेवन, तकिये की एलर्जी, मोटापा की वजह से भी आते हैं।

आपने कई बार खरार्टे के दौरान एक अजीबोगरीब करकस जैसी आवाज सुनी होगी। यह आवाज तब निकलती है जब सांस लेने के दौरान हवा का बहाव गले में स्थित ऊतकों में

कंपन पैदा करता है। तो अगर आपके खरार्टे दूसरों को कर रहे हैं परेशान तो फॉलो करें या कुछ आसान टिप्स जिससे आप हमेशा के लिए खराटों से छुटकारा पा सकते हैं।

वजन घटाएं

हालांकि कई बार पतले लोग भी जोर-जोर से खरार्टे लेते हैं। लेकिन अगर आपको पहले खरार्टे लेने की आदत नहीं थी और अचानक वजन बढ़ने की वजह से आपको खरार्टे आ रहे हैं तो इसके लिए वजन कम करना फायदेमंद साबित होगा। दरअसल, मोटापा बढ़ने से गर्दन के आसपास की चर्बी भी बढ़ जाती है, जिस वजह से खरार्टे लेने की समस्या पैदा हो जाती है।

शराब से दूरी बनाए रखें

अगर सोने से 4 से 5 घंटे पहले आप शराब पीते हैं तो आपको खरार्टे आ सकते हैं क्योंकि शराब गले की मांसपेशियों को संकुचित कर देता है। यही वजह है कि जिन लोगों को खरार्टे लेने की आदत नहीं होती है, उन्हें भी खराटे आने लगते हैं।

तकिया बदलें

यह काफी कम लोगों को पता है कि तकिए की वजह से भी आपको खराटे की समस्या हो सकती है। आपके तकिए में जमी धूल की वजह से आपको खराटे आते सकते हैं। इसके लिए आपको हर छह महीने पर अपना तकिया बदलना चाहिए और हर 2 हफ्ते पर अपने तकिए का कवर भी बदलते रहना चाहिए।

सोने का तरीका बदलें

अगर आप पीठ के बल सोते हैं तो आपको खराटे आएंगे वहीं अगर आप सीधे की तरफ से सोते है तो खराटे नहीं आएंगे। पीठ के बल सोने पर जीभ और तालू वायुमार्ग को संकुचित करते हैं और इसकी वजह से नींद के दौरान कंपन की आवाज पैदा होती है. साइड की तरफ सोने से इसे रोकने में मदद मिलती है।

Ajab Gazab

यहां लोगों को रेत में रखा जाता है, जाने क्यों?

दुनिया में कई जगहें ऐसी है, जहां कई बीमारियों का इलाज कुछ अनोखे तरीके से किया जाता है। जिसकी कल्पना करना काफी मुश्किल होता है। जी हां, आज हम आपको एक ऐसे ही इलाज प्रकिया के बारे में बताएंगे, जो मिस्र के रेगिस्तान में तेज धूप में किया जाता है। इसका इलाज करने का तरीका कुछ अलग ही है।

रेगिस्तान की तेज धूप में पैर रखना, जहां कितना मुश्किल होता है वहीं मिस्र के रेगिस्तान की रेत में लोगों का इलाज किया जाता है। कहा जाता है कि यहां हड्डी से संबंधित रोग या फिर जिनको नपुंसकता की शिकायत होती है वो लोग अपना इलाज करवाने के लिए आते है। यहां लोगों को बिना कपड़ों के रेत में ढक दिया जाता है और सिर तक रेत में धंसा दिया जाता है। रेत में धंसा देने के बाद उनको 10-15 मिनट के लिए ऐसे ही रखा जाता है। यह इलाज कोई रात के समय नहीं बल्कि जब दिन में सबसे तेज धूप होती है तब इन लोगों का इलाज किया जाता है। इस इलाज की प्रक्रिया तीन से नौ दिनों के लिए चलती है और तब तब लोगों को नहाने की इजाजत भी नहीं होती। जब तक मरीज का इलाज चलता है तब तक वह, यहां रेत पर बने छोटे से घरों में रहते है।

कहा जाता है इस इलाज के लिए ढाई से साढ़े तीन हजार का खर्च होता है। यहां आने वाले लोगों का कहना है कि उनको इस इलाज से काफी राहत मिलती है। यह इलाज मिस्र के दकरूर पहाड़ी के पास सिवा नाम के रेगिस्तान में किया जाता है। यहां हजारों की संख्या में लोग अपना इलाज करवाने के लिए आते है। हालाकि इस इलाज का अभी तक कोई वैज्ञानिनक तर्क नहीं है लेकिन फिर भी लोग यहां अपना इलाज करवाने पहुंच जाते है।

शख्सियत

शख्सियत जिसने नैतिकता और अर्थशास्त्र को एक कतार में ला दिया...

वैसे तो अमर्त्य सेन को आज पूरा देश बेहद सम्मान भरी नजरों से देखता है. जिनके कहे गए शब्दों पर हमारे देश के आला नेता और नौकरशाह संज्ञान लेते हैं. मगर ऐसा कम ही लोग जानते हैं कि उन्हें भारत रत्न मिलने से पहले ही अर्थशास्त्र के नोबेल से नवाजा जा चुका था. वे आज भी एक बेहतरीन मल्टीटास्कर के तौर पर जाने जाते हैं. वे साल 1933 में 3 नवंबर के रोज ही जन्मे थे.

1. उन्हें अपना नाम रवींद्रनाथ टैगोर से मिला. संस्कृत में उनके नाम का मतलब अमरत्व पा चुका शख्स है.
2. उनकी पहली किताब कलेक्टिव चॉइस एंड सोशल वेलफेयर ने उन्हें छात्रों, शिक्षाविदों और नीति-निर्माताओं के बीच अलग मुकाम दिया.
3. उन्हें लिबरल अमेरिका के स्तंभों में गिना जाता है. जिनमें उनके साथ जॉन के गेलब्रेथ, पॉल सेमुअलसन और रॉबर्ट सोलो है.
4. वे हॉवर्ड यूनिवर्सिटी में इकोनॉमिक्स और फिलॉसफी पढ़ाते हैं और नालंदा यूनिवर्सिटी के चांसलर भी रहे हैं.
5. वे कहते हैं कि हमें अपनी विविधता और खुलेपन पर गर्व होना चाहिए, शर्म नहीं आनी चाहिए.

अगर आपको भी आती है ऑफिस में नींद तो यह खबर आपके लिए है

महेक जोबनपुत्रा

ऑफिस में लगातार काम करते-करते किसे नींद नहीं आती। जाहिर-सी बात है शारीरिक और मानसिक रुप से घंटों काम में लगे रहने पर कोई भी इंसान थककर चूर हो जाएगा। लेकिन क्या कर सकते हैं? ऑफिस में सोना सख्त मना है। खासतौर पर जब आप भारत में हो।

> चीन में ऑफिस के समय सोना एक सामान्य बात है। वहां पर कई कंपनियों में कर्मचारियों के सोने के लिए सोफे और गोल बेड लगवाए जाते हैं। लेकिन टेक इंडस्ट्री में ऐसी कोई सुविधा नहीं है। दाइ ने इस अनोखी पहल से तकनीक जगत से जुड़े हुए ऑफिसों के लिए भी एक नया रास्ता खोल दिया है।

लेकिन इन बातों से परे एक व्यक्ति ऐसा भी है जिसने अपने नींद के अनुभवों से सबक लेकर दूसरे कर्मचारियों के लिए भी कुछ ऐसा किया, जिससे अब वो ऑफिस में भी भरपूर नींद ले सकते हैं। दरअसल, 40 साल के दाइ शियांग नाम के व्यक्ति टेक कंपनी में काम किया करते थे। इस कंपनी में 72 घंटे की शिफ्ट में काम करने की वजह से दाइ इतना थक जाते थे कि वो ऑफिस के फर्श पर ही सो जाया करते थे।

इसके बाद उन्होंने एक नई टेक कंपनी में 15 साल बिताए और यहां भी उनका यही हाल होता। काम से थोड़ा ब्रेक लेकर वो कभी ऑफिस के फर्श, कभी डेस्क और कभी कुर्सी पर सो जाया करते थे। इसके बाद दाइ ने उबकर अपनी खुद की कंपनी 'बैशन क्लाउड' खोल ली। इस कंपनी को खोलते ही सबसे पहले दाइ ने बिजनेस ऑर्डर मिलने पर अपने ऑफिस में 12 बेड लगवाए। ऐसा करने की वजह बताते हुए दाइ कहते हैं कि 'टेक्नालॉजी सेक्टर में दिमागी मेहनत इतनी %यादा होती है कि ऑफिस में नींद आना आम बात है। ऐसे में मैंने वही किया जिसकी कमी मुझे तब महसूस होती थी जब मैं बॉस नहीं कर्मचारी हुआ करता था।'

गौरतलब है कि चीन में ऑफिस के समय सोना एक सामान्य बात है। वहां पर कई कंपनियों में कर्मचारियों के सोने के लिए सोफे और गोल बेड लगवाए जाते हैं। लेकिन टेक इंडस्ट्री में ऐसी कोई सुविधा नहीं है।

दाइ ने इस अनोखी पहल से तकनीक जगत से जुड़े हुए ऑफिसों के लिए भी एक नया रास्ता खोल दिया है।

टीवी,मोबाइल से बच्चों केदिल को खतरा

टेलीविजन और मोबाइल फोन के कारण जीवन शैली में आए बदलाव से बच्चों के दिल की बीमारियों की चपेट में आने का खतरा बढ़ गया है। दिल्ली में सर गंगा राम अस्पताल के सीनियर कंसल्टेंट और पीडियाट्रिक (बाल चिकित्सा) विभाग के चेयरमैन डॉ. वी के खन्ना ने बताया कि बच्चों की जीवन शैली में तेजी से आए बदलाव से वे कई तरह की बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं।

धीरे-धीरे यह खतरा उनके दिलों तक भी पहुंच रहा है। डॉ. खन्ना ने कहा, इसलिए जब जागो तभी सवेरा की तर्ज पर अभिभावकों और बच्चों को सचेत हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा, चूँकि कम उम्र होने के कारण हमें यह एहसास नहीं होता है कि बच्चों का दिल से संबंधित बीमारियों से भी कोई लेना-देना है, इसलिए कभी दिल से जुड़ी कोई जांच हम करवाते भी नहीं हैं।

हाल में मीडिया में खबर थी कि सातवीं कक्षा के एक छात्र की मौत स्कूल के खेल के मैदान में अचानक हो गई। ऐसी अचानक मौत दिल की धड़कन के अचानक बंद हो जाने से होती है जिसे सडन कार्डियाक अरेस्ट (एससीए) कहा जाता है। ऐसे मामलों में पोस्टमार्टम के बाद ही मौत की वजह का पता चलता है, क्योंकि मौत से पहले किसी तरह की बीमारी का लक्षण सामने नहीं आता है।

ऐसे मामलों में देखा गया है कि कुछ घटनाओं में आनुवांशिक कारण थे और कुछ मामलों में दिल की दोनों धमनियों में रक्त जमा होने के कारण धड़कन अचानक बंद हुई। हालांकि ऐसे मामलों की संख्या कम है। लेकिन जिस तरह की जीवन शैली बच्चे अपना रहे हैं उससे उनके और कई गंभीर बीमारियों का शिकार होने की आशंका बढ़ जाती है।

अगर मेमोरी कार्ड हो गया खराब तो ऐसे करें ठीक

आज कल मोबाइल एक जरूरी डिवाइस बन गया है। समय के साथ फोन भी स्मार्ट हो गया है। इससे अब कॉल के साथ वीडियो, कैमरा सहित कई फीचर्स मिलते हैं। मोबाइल गैलरी में फोटो, वीडियो और बड़ी साइज की फाइल को सेव करने के लिए मेमोरी कार्ड होना बहुत जरूरी है। अगर स्मार्टफोन खराब भी हो गया तो एसडी कार्ड में सभी तस्वीरें और अन्य महत्वपूर्ण मीडिया सुरक्षित रहता है। हालांकि कई बार मेमोरी कार्ड भी काम करना बंद कर देता है। ऐसे में कार्ड को फेंकने की बजाय कुछ उपायों से ठीक किया जा सकता है। आइए जानते हैं पूरी प्रोसेस -

1. मेमोरी कार्ड अगर काम नहीं कर रहा है, कार्ड स्लॉट को साफ कर लें। कभी धूल होने के कारण कार्ड काम करना बंद कर देता है।
2. मेमोरी कार्ड में मैसेज आए तो इसे स्लॉट से निकाल कर दोबारा लगा दें। ऐसा करते ही कार्ड ठीक हो जाएगा।
3. अगर फिर भी काम नहीं करें तो स्मार्टफोन को थोड़ी देर के लिए ऑफ कर सकते हैं। कई बार ऐसा करने से मेमोरी कार्ड वापस काम करने लगता है।
4. अगर इन उपायों के बाद भी मेमोरी कार्ड में एरर का मैसेज आ रहा है। तो इसे अलग डिवाइस में लगा कर देखें। कई बार डिवाइस के स्लॉट में खराबी के कारण एसडी कार्ड ठीक से काम नहीं कर पाता।
5. इन सभी उपायों के बाद भी मेमोरी कार्ड ठीक नहीं हुआ तो यह डैमेज हो चुका होगा। ऐसे में इसे बदला ही सही रहेगा। अगर चाहे तो मोबाइल रिपेयरिंग वाले से संपर्क कर सकते हैं।

'भारत के पास अब विज्ञान और अनुसंधान के लिए सब कुछ'; डीएसटी के स्थापना दिवस में बोले जितेंद्र सिंह

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के 55वें स्थापना दिवस को केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने संबोधिक किया।

उन्होंने कहा कि भारत अनुसंधान और विज्ञान के लिए बेहतर समय से गुजर रहा है। इस दौरान उन्होंने शोध और नवाचार के पारंपरिक तरीकों पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत के पास अब विज्ञान और अनुसंधान के लिए सब कुछ है। वे विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के 55वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने विदेश में काम कर रहे भारतीय शोधकर्ताओं से निर्धारित उद्देश्यों और समयसीमा के साथ अपनी वापसी की योजना बनाने का आग्रह किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जो लोग कुछ खास कारणों से बाहर गए हैं, उन्हें सलाह दी जानी चाहिए कि वे योजना बनाएं कि वे कितने साल विदेश में रहेंगे और उनके निश्चित उद्देश्य क्या हैं, ताकि उनके लौटने की समयसीमा पहले से निर्धारित की जा सके। इस दौरान उन्होंने भारत के वैज्ञानिक पारिस्थितिकी तंत्र में '360 डिग्री के बदलाव' के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि इस बदलाव का कारण मानसिकता में बदलाव है, जो न केवल सरकारी स्तर पर हुआ है, बल्कि इसके बाहर भी हुआ है।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस मानसिक बदलाव ने समाज के सभी स्तरों पर आकांक्षाओं को मजबूत किया है।

केंद्रीय मंत्री ने शोध और नवाचार के पारंपरिक तरीकों पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। पुराने मॉडलों को चुनौती देते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा कि केवल उद्योग-आधारित शोध क्यों? उद्योग-निर्धारित शोध क्यों नहीं?

उन्होंने मजबूत निजी भागीदारी की भी वकालत की। साथ ही सुझाव दिया कि सहयोग को ज्ञान साझा करने से आगे बढ़कर न्यायसंगत वित्तीय प्रतिबद्धताओं को शामिल करना चाहिए।

उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि अगर आप 50 प्रतिशत निवेश करते हैं, तो दूसरे पक्ष को 50 या 60 प्रतिशत निवेश करने दें।

इस दौरान उन्होंने वैश्विक वैज्ञानिक मंच पर भारत की बढ़ती उपस्थिति को भी बताया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि देश अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित करना शुरू कर रहा है।

ऐसे में कोई भी नहीं चाहेगा कि भारत तेजी से आगे बढ़े, लेकिन तथ्य यह है कि वे हमारे बारे में सोचेंगे या हमारे बारे में सोचना शुरू कर चुके हैं तो इसका मतलब है कि हम सही रास्ते पर हैं। इस दौरान उन्होंने पिछले दशक में भारत की वैज्ञानिक उन्नति को दर्शाने वाले आंकड़े भी साझा किए।

भारत की वैश्विक स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हम नाज़ुक पांच' से 'शीर्ष पांच तक पहुंच गए हैं।

स्टार्टअप के मामले में भारत अब दुनिया में तीसरे स्थान पर है, वैश्विक नवाचार सूचकांक में 81वें स्थान से 39वें स्थान पर पहुंच गया है और वैश्विक पेटेंट फाइलिंग में छठे स्थान पर है।

उन्होंने बताया कि बीते साल दायर किए गए 64,480 पेटेंट में से 56 प्रतिशत भारतीय निवासियों द्वारा किए गए थे।

इसका अर्थ है कि भारत एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र और बुनियादी ढांचा बनाने में सफल रहा है, जिसके लिए अब देश के बाहर जाने की जरूरत नहीं है।

पहलगाम पर तनाव के बीच दिल्ली आए जम्मू-कश्मीर के CM; आतंकी हमले के बाद के हालात पर चर्चा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को 11 दिन बीत चुके हैं। आतंकियों पर नकेल कसने और हमलावर दहशतगर्दों को ढेर करने के लिए सरकार और सुरक्षाबल लगातार प्रयासरत है। सुरक्षाबल और जांच एजेंसियां कार्रवाई कर रही हैं। आज ताजा घटनाक्रम में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की।

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। बता दें कि, पहलगाम पर तनाव के बीच उमर अब्दुल्ला दिल्ली पहुंचे हैं, जानकारी के मुताबिक इस मुलाकात के दौरान आतंकी हमले के बाद के हालात पर चर्चा की गई है।कब और कहां हुई आतंकी वारदात, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री क्या बोले

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट 'मिनी स्विटरलैंड' नाम से मशहूर पर्यटन स्थल पर मंगलवार दोपहर हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर पर्यटक हैं। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे घातक हमला है। एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने बताया कि 26 मृतकों में दो विदेशी और दो स्थानीय निवासी हैं।जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस आतंकी हमले को 'हाल के वर्षों में आम लोगों पर हुए किसी भी हमले से कहीं बड़ा' हमला बताया।

अधिकारियों ने बताया कि यह हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत की यात्रा पर हैं। इसी समय जम्मू-कश्मीर में पर्यटन और ट्रैकिंग का मौसम जोर पकड़ रहा है।2019 की फरवरी में जम्मू-कश्मीर के ही पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला पहलगाम में हुआ है।

पहलगाम शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर बैसरन चीड़ के पेड़ों के घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा एक विशाल घास का मैदान है तथा देश व दुनिया के पर्यटकों के बीच पसंदीदा स्थान है।

पहलगाम हमले के संबंध में अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हथियारबंद आतंकवादी 'मिनी स्विट्जरलैंड' में घुस आए और भोजनालयों के आसपास घूम रहे, खच्चर की सवारी कर रहे, पिकनिक मना रहे पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी।

द ललित मुंबई के महाप्रबंधक निश्चिंत पठानिया

द ललित मुंबई होटल का 20 वर्षों का सफर: लग्जरी, कला और समावेशिता का संगम

सीताराम मेवाती

द ललित मुंबई होटल शहर के सबसे प्रतिष्ठित आतिथ्य स्थलों में से एक है 1 इस होटल ने अपनी समृद्ध संस्कृति, समावेशिता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से दो दशकों तक लग्जरी को फिर से परिभाषित किया है। अपनी भव्यता और आतिथ्य के लिए प्रसिद्ध, यह होटल अपनी एशिया की सबसे ऊंची सात-मंजिला एट्रियम लॉबी के साथ शाब्दिक रूप से खड़ा है, जो इसकी पहचान का प्रतीक बना हुआ हुआ है 1

अपने 20 वर्षों की उत्कृष्टता का जश्न मनाते हुए इस होटल ने हमेशा कला, परंपरा और आधुनिक सुविधाओं का संयोजन किया है। इसके आंतरिक सजावट में प्रसिद्ध भारतीय कलाकार सतीश गुजराल जैसे कलाकारों के कृतियों को प्रदर्शित किया गया है 1 यह कलाकृतियाँ मेहमानों को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध वातावरण प्रदान करते हैं। द ललित ने समय के साथ विकसित हो रही मेहमानों की उम्मीदों के साथ तालमेल बिठाते हुए नई तकनीकी सुविधाओं और क्यूरेटेड कुलिनरी ऑफ़रिंग्स को पेश किया है।

यहाँ के भोजन उपलब्धि का प्रमुख आकर्षण है इसका "यूनाइटेड फ्लेवर्स ऑफ़ द ललित" की पहल, जिसमें भारत में इसके 12 होटलों से विशेष डिशेज की पेशकश की जाती है। यहाँ पर प्रमुख डाइनिंग स्थल हैं जो अपने आप में एक विशिष्ट अनुभूति हैं 1 यहाँ के रेस्तरां में बलूची, जो भारतीय क्षेत्रीय व्यंजनों के लिए प्रसिद्ध है, दूसरा है ओको जो पैन-एशियाई व्यंजन प्रदान करता है और द ललित बौलेंगरी, जो यूरोपीय शैली की ब्रेड और पेस्ट्री के लिए लोकप्रिय है। यहाँ का २४/७ नामक रेस्तरां सम्पूर्ण विश्व की डिशें एक ही छत के निचे प्रस्तुत करने के लिए प्रसिद्ध है 1 द ललित मुंबई

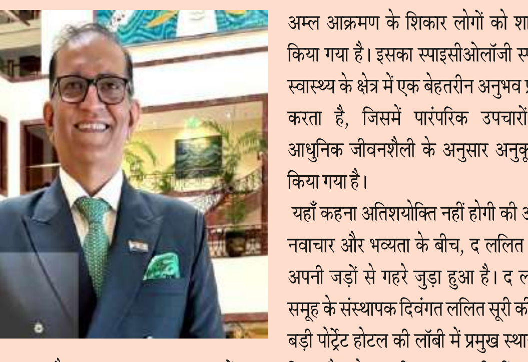

के महाप्रबंधक निश्चिंत पठानिया ने मुंबई तरंग से बात करते हुए कहा कि "विगत 20 वर्षों से यह सिर्फ एक होटल ही नहीं बल्कि यह यात्रियों के लिए एक घर, कलाकारों के लिए एक मंच और समावेशिता का एक आदर्श मॉडल बन चुका है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, हम 'Distinctly LaLiT' अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां परंपरा और नवाचार का संगम होता है।"

यहाँहोटल की समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता किटी सू में स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है, जो 2015 से भारत की समावेशी नाइटलाइफ के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। अपने #PURELOVE इवेंट्स के लिए प्रसिद्ध, किटी सू ने वैश्विक ड्रैग आइकन और LGBTQIA+ कलाकारों का स्वागत किया है, जो सभी के लिए एक सुरक्षित और उत्सवपूर्ण स्थान प्रदान करता है। मनोरंजन के अलावा, द ललित मुंबई ने समाज पर प्रभाव डालने वाली सेवा कर्मियों की भर्तियों में भी नेतृत्व किया है 1 यहाँ पर LGBTQIA+ व्यक्तियों, न्यूरो डाइवर्जेंट कर्मचारियों, और अम्ल आक्रमण के शिकार लोगों को शामिल किया गया है। इसका स्पाइसीओलॉजी स्पा भी स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है, जिसमें पारंपरिक उपचारों को आधुनिक जीवनशैली के अनुसार अनुकूलित किया गया है।

यहाँ कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी की अपनी नवाचार और भव्यता के बीच, द ललित मुंबई अपनी जड़ों से गहरे जुड़ा हुआ है। द ललित समूह के संस्थापक दिवंगत ललित सूरी की एक बड़ी पोर्ट्रेट होटल की लॉबी में प्रमुख स्थान पर स्थित है, जो उसकी सफलता की नींव रखने वाली दृष्टि को सम्मानित करता है। पोर्ट्रेट के नीचे एक दीपक (तेल का दीपक) लगातार जल रहा है, जो उनकी दृष्टि की स्थायी रोशनी को प्रतिबिंबित करता है, और एक बड़ी माला के साथ श्रद्धांजलि के रूप में प्रदर्शित किया गया है।

जगन्नाथ मंदिर विवाद पर बंगाल ओडिशा आमने-सामने, भाजपा बोली- ममता बनर्जी सोचती नहीं हैं

आरोप है कि पुरी के कुछ सेवकों ने दीघा के जगन्नाथ मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लिया था और दीघा मंदिर की मूर्तियां बनाने के लिए 2015 के 'नवकलेवर' (नए रूप) से बची हुई 'नीम' की लकड़ी का इस्तेमाल किया था। इस विवाद हो गया है।

पश्चिम बंगाल के दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर को लेकर ओडिशा और पश्चिम बंगाल में ठनी हुई है। ओडिशा के श्रद्धालु और पुजारी दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर के नाम को लेकर आपत्ति जता रहे हैं। जब इसे लेकर भाजपा नेता दिलीप घोष की प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने ममता बनर्जी पर इसका ठीकरा फोड़ दिया।

उल्लेखनीय है कि दीघा में बने मंदिर को पुरी के जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर ही बनाया गया है और उसका नाम भी जगन्नाथ मंदिर ही रखा गया है, इस पर ओडिशा के लोगों ने आपत्ति जताई है। ओडिशा के लोगों का कहना है कि जगन्नाथ मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है, ऐसे में एक जैसे नाम से लोगों में भ्रम की स्थिति बन सकती है।

भाजपा ने जगन्नाथ मंदिर विवाद पर ममता बनर्जी को घेरा

दिलीप घोष ने कहा कि 'ममता बनर्जी सोच विचार नहीं करती हैं। वे बस मनमाने तरीके से नामकरण करती हैं।

इसका आस्था पर कोई असर नहीं पड़ता। ओडिशा के लोगों को सीएम ममता बनर्जी को पत्र लिखना चाहिए।

उन्होंने ही जय बांग्ला का नारा दिया था, जिसका बांग्लादेश के लोगों ने यह कहकर विरोध किया था कि यह उनका नारा है। वे (ममता बनर्जी) सिर्फ गलत काम करती हैं। ये लोगों से जुड़ा मसला नहीं है। लोग तो बस सभी मंदिर जाना चाहते हैं।'

भगवान के ऊपर राजनीति करने का आरोप

पश्चिम बंगाल के भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने भी ममता पर भगवान के ऊपर राजनीति करने का आरोप लगाया । उन्होंने कहा कि एक तरफ आप हिंदुओं की हत्या होने दे रही हैं और दूसरी तरफ आप मंदिर बना रही हैं। मंदिर या मस्जिद बनाना सरकार का काम नहीं है। अयोध्या राम मंदिर के लिए लोगों ने जुटाया था। दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर के लिए लोगों को धन जुटाना चाहिए था। राज्य सरकार इसमें शामिल क्यों हुई? ममता बनर्जी भगवान जगन्नाथ के कंधों पर चढ़कर चुनाव जीतने की कोशिश कर रही हैं।

नवकलेवर अनुष्ठान की बची हुई लकड़ी दीघा मंदिर को देने का आरोप

आरोप है कि पुरी के कुछ सेवकों ने दीघा के जगन्नाथ मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लिया था और दीघा मंदिर की मूर्तियां बनाने के लिए 2015 के 'नवकलेवर' (नए रूप) से बची हुई 'नीम' की लकड़ी का इस्तेमाल किया था। इस विवाद हो गया है और ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने शुक्रवार को श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) से इस मामले की जांच करने को कहा। 'नवकलेवर' प्रत्येक 12 या 19 वर्ष पर आयोजित होने वाला एक अनुष्ठान है, जिसके दौरान पुरी के जगन्नाथ मंदिर में भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ की लकड़ी की मूर्तियां बदली जाती हैं।

इसके अलावा, पुजारियों, भक्तों, विद्वानों और पंडितों के एक वर्ग ने दीघा मंदिर से 'जगन्नाथ धाम' शब्द हटाने की मांग की। इन मुद्दों पर राज्यव्यापी आक्रोश को ध्यान में रखते हुए कानून मंत्री हरिचंदन ने एसजेटीए के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाधी को एक पत्र लिखा और उनसे पूरे मामले की आंतरिक जांच करने तथा सच्चाई को जनता के सामने लाने की व्यवस्था करने को कहा।

भारतीय रेल की चार धाम की यात्रा के लिए गौरव डीलक्स ट्रेन

संवावदाता। मुंबई बद्रीनाथ, जगन्नाथ पुरी, रामेश्वरम और द्वारका देश की चार दिशाओं में अवस्थित चार ऐसे धाम हैं जहां की यात्रा करना हर भारतीय की चाहत होती है। देश के इन चारों धाम की यात्रा रेल से कर पाना संभव है। इसके लिए भारतीय रेल द्वारा भारत गौरव डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन चलाई जा रही है। भारतीय रेल द्वारा इससे पहले भी दो बार चारों धाम को जोड़ने के लिए भारत गौरव डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन चलाई जा चुकी है। इस वर्ष दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से 27 मई को 17 दिवसीय चारों धाम भारत गौरव डीलक्स यात्रा की शुरुआत होगी। इसके तहत बद्रीनाथ, माना गांव, नरसिंह मंदिर, जोशीमठ, ऋषिकेश, जगन्नाथ मंदिर, पुरी समुद्र तट, कोणार्क सूर्य मंदिर, चंद्रभागा समुद्र तट, रामेश्वरम में रामनाथ स्वामी मंदिर और धनुषकोड़ी तथा द्वारका में द्वारकाधीश मंदिर, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग तथा भेंट द्वारका जैसी जगहों का भ्रमण कराया जाएगा। इस यात्रा में जाने वाले यात्रियों को वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर, पुणे में भीमशंकर मंदिर और नासिक में त्रंबकेश्वर मंदिर का भ्रमण भी कराया

जाएगा। 17 दिनों की यात्रा के दौरान सभी भक्त 8425 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन में कई आधुनिक आरामदायक फीचर जोड़े गए हैं जिसमें दो डायनिंग रेस्टोरेंट, एक मॉडर्न किचन और स्नान के लिए क्यूबिक स्नानघर शामिल हैं। सभी कोच में बायो टॉयलेट युक्त वॉशरूम की व्यवस्था की गई है। यात्रियों की सहूलियत के लिए फुटमसाजर भी लगाए गए हैं। पूरी तरह से वातानुकूलित इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, सेकंड एसी और थर्ड एसी में टिकट बुक कराई जा सकती है। ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे और सिक्योरिटी गार्ड की व्यवस्था भी की गई है। इस ट्रेन का संचालन भारतीय रेल कैटरिंग एवं टूरिज्म कारपोरेशन के माध्यम से किया जाएगा।टिकटों की बिक्री भी आईआरसीटीसी के वेबसाइट से ही की जाएगी। इसके लिए एक पैकेज रेट का निर्धारण किया गया है जिसमें जर्नी टिकट के साथ-साथ तीन सितारा होटल में रहने, तीनों टाइम का भोजन, साइटसींइंग की पूरी व्यवस्था, ट्रैवल इंश्योरेंस और टूर मैनेजर की सेवा शामिल है। इस ट्रेन में बुकिंग के लिए 150 सीटें उपलब्ध है जिसे पहले आओ,पहले पाओ आधार पर बुक किया जाएगा। ट्रेन के संबंध में विस्तृत जानकारी भारतीय रेल कैटरिंग एवं टूरिज्म कारपोरेशन के वेबसाइट पर तथा उनके वेब पोर्टल पर उपलब्ध है। भारतीय रेल के कार्यकारी निदेशक सूचना एवं प्रचार दिलीप कुमार ने बताया कि देश के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को जोड़ने के उद्देश्य से भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन का परिचालन किया जाता है। इन ट्रेनों के संचालन से विभिन्न धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान का भ्रमण कर पाना आसान हुआ है।

रेलवे सेफ्टी पर जागरूकता फैलाने के लिए छोटा भीम का मिला साथ

पश्चिम रेलवे को मिला की अनूठी पहल

संवावदाता। मुंबई जन जागरूकता और रेलवे सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक अनूठी पहल के तहत पश्चिम रेलवे छोटा भीम के साथ जुड़ गया है। पश्चिम रेलवे शैक्षणिक और आउटरीच गतिविधियों के लिए छोटा भीम की दुनिया के प्रिय पात्रों का उपयोग करेगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक और छोटा भीम के निर्माता, ग्रीन गोल्ड एनिमेशन प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ और प्रबंध निदेशक राजीव चिलाकलापुडी ने 2 मई, 2025 को जियो वर्ल्ड सेंटर, मुंबई में आयोजित विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (WAVES) 2025 में लैटर ऑफ कोलेबरेशन पर हस्ताक्षर किए।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी द्वारा के अनुसार, पश्चिम रेलवे आम जनता के दिलों तक पहुँचने के लिए अपरंपरागत तरीका अपनाएगी। छोटा भीम और उसके परिवार के चरित्रों का उपयोग प्रिंट, डिजिटल, टेलीविजन, रेडियो और पोस्टर तथा स्कूल कार्यक्रमों जैसे भौतिक प्रतिष्ठानों सहित विभिन्न मीडिया प्रारूपों में एक वर्ष की

अवधि के लिए किया जाएगा। इस रणनीतिक सहयोग का उद्देश्य रेलवे परिसर में रेलवे सुरक्षा और जिम्मेदार व्यवहार पर आवश्यक संदेशों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने के लिए छोटा भीम फ्रैंचाइज़ की व्यापक अपील का लाभ उठाना है, विशेष रूप से युवा दर्शकों और परिवारों को लक्षित करना। उल्लेखनीय रूप से, छोटा भीम की राष्ट्रव्यापी और वैश्विक लोकप्रियता का बच्चों पर अच्छा प्रभाव पड़ता है और उन्हें सकारात्मक रूप से प्रभावित करने की क्षमता है। पश्चिम रेलवे की पहल इन परिचित पात्रों को जनहित अभियानों में एकीकृत करके पहुंच और जुड़ाव बढ़ाने के लिए इस भावना के अनुरूप है।जनसंपर्क अधिकारी विनीत ने आगे बताया कि यह साझेदारी रेलवे सुरक्षा शिक्षा को और अधिक आकर्षक और सुलभ बनाने की दिशा में एक कदम है। छोटा भीम और परिवार की मदद से, पश्चिम रेलवे को उम्मीद है कि इससे एक स्थायी प्रभाव पैदा होगा और बच्चों और आम जनता को शिक्षित किया जा सकेगा। यह सहयोग रचनात्मक आउटरीच के माध्यम से जन कल्याण को बढ़ावा देने के दोनों संगठनों के साझा लक्ष्य के अनुरूप है।

जयशंकर ने EU के विदेश मामलों के प्रभारी से बात की; बर्लिन में भारतीय प्रवासियों का प्रदर्शन

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। इस हमले की वैश्विक स्तर पर लगातार निंदा की जा रही है। साथ ही देश के साथ ही विदेशों में भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। बर्लिन में भी भारतीय प्रवासियों ने आतंकी हमले के विरोध में प्रदर्शन किया। इससे पहले भी लंदन से लेकर वारसॉ और फ्रांस में आतंकी हमले को लेकर विरोध प्रदर्शन किए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने पर्यटकों पर हमला कर दिया था। आतंकियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। सिंधु जल संधि के निलंबन से लेकर पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने तक, भारत ने पाकिस्तान पर कई पाबंदियां लगा दी हैं। भारत पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर अलग-थलग करने के लिए लगातार तमाम देशों के नेताओं से बातचीत कर रहा है। इसी क्रम में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोपीय संघ (ईयू) के अपने समकक्ष काजा कल्लस से बात की और पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा की।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोपीय संघ (ईयू) के अपने समकक्ष काजा कल्लस से बात की और पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा की। फोन पर बातचीत के बाद, जयशंकर ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की यूरोपीय संघ द्वारा की गई कड़ी निंदा का स्वागत किया। जयशंकर ने एक्स पर कहा, आज शाम काजा कल्लस से बात करके अच्छा लगा। पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा की। कल्लस ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार से भी बात की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, भारत और

पाकिस्तान के बीच बढ़ता तनाव चिंताजनक हैं। मैं दोनों पक्षों से संयम बरतने और स्थिति को बेहतर बनाने के लिए बातचीत करने का आग्रह करता हूं। तनाव बढ़ने से किसी को कोई फायदा नहीं होता।

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ बर्लिन में भारतीय प्रवासियों का प्रदर्शन

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आंतकी हमले के विरोध में शुक्रवार को बर्लिन में भी बड़ा प्रदर्शन हुआ। 350 से 400 भारतीय प्रवासियों और भारत के मित्रों ने आतंकी हमले की निंदा करते हुए नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने शहर के ब्रैंडेनबर्ग गेट, बर्लिन डोम और हम्बोल्ट फोरम से मार्च किया। इससे पहले, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के प्रति एकजुटता और समर्थन दिखाने के लिए यूके में भारतीय समुदाय के सदस्य बड़ी संख्या में लंदन में भारतीय उच्चायोग के बाहर एकत्र हुए।

यह प्रदर्शन खालिस्तानी और पाकिस्तानी प्रदर्शनकारियों के एक समूह द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन के जवाब में किया गया था। इसी तरह, 28 अप्रैल को वारसॉ में हिंदू मंदिर और गुरुद्वारा सिंह सभा ने भी हमले में मारे गए लोगों के लिए विशेष प्रार्थना की। हिंदू मंदिर ने पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए 'गरुड़ पुराण पाठ' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में वारसॉ में तमिल एसोसिएशन, तेलुगु एसोसिएशन, सिंधी एसोसिएशन और पंजाबी एसोसिएशन सहित विभिन्न भारतीय प्रवासी संघों के प्रमुखों और सदस्यों ने भाग लिया। इसके अलावा, फ्रांस में भी भारतीय प्रवासियों ने एफिल टावर के सामने एकत्र होकर आतंकवादियों को पनाह देने के लिए पाकिस्तान की निंदा की।

आरसीबी की नजरें सीएसके के खिलाफ जीत की लय बरकरार रखने पर

फिसड्डी सीएसके खिलाफ आरसीबी की उम्मीदें विराट व हेजलवुड पर
विराट सहित आरसीबी के शीर्ष क्रम को सीएसके के नूर व खलील से चौकस रहना होगा

नई दिल्ली,
विराट कोहली के अपने अंदाज में सही समय पर गियर बदल कर मौजूदा 2025 आईपीएल में पिछले लगातार तीन मैचों में तीन और कुल छह अर्द्धशतकों सहित दस मैचों मे कुल 443 रन की बदौलत अपने घर बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुरू के तीन मैच हारने के बाद नौवें मे राजस्थान रॉयल्स पर 11 रन से जीत सहित सात जीत की बदौलत मुंबई की तरह 14 अंको के बावजूद उससे अपनी कमतर नेट रन रेट के चलते रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने एक पैर प्ले ऑफ मे रख लिया है। विराट के बल्ले से दमदार प्रदर्शन और 10 मैचों में सबसे ज्यादा कुल 18 विकेट के साथ पर्पल कैप पर कब्जा जमाने वाले अपने ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की रफ्तार के साथ धार की बदौलत आरसीबी अब फिसड्डी और दस मैचो में मात्र दो जीत और लगातार तीसरी कुल आठ हार के साथ चार अंको से लगातार दूसरे सीजन में प्ले ऑफ की होड़ से बाहर हो चुकी सीएसके को अब शनिवार को अपने बेंगलुरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम के घरेलू रिटर्न मैच में भी हरा कर प्ले ऑफ के लिए अपनी दावेदारी और मजबूत करने उतरेगी। 43 बरस के महेंद्र सिंह धोनी बेशक सीएसके के आईपीएल के इतिहास के सबसे बड़े अहम खिलाड़ी रहे हैं लेकिन अब वह अपनी बढ़ती उम्र के चलते उसके लिए जी का जंजाल बन गए हैं क्योंकि अपने बुढ़ाते घुटनों के चलते वह शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी नहीं कर सकते हैं। सीएसके और खुद धोनी दीवार पर लिखी इस इबारत को पढ़ नहीं पा रहे है कि उनका बतौर खिलाड़ी अब खत्म हो चुका है। आरसीबी ने सीएसके से अपने अंतिम पांच मे पिछले लगातार दो सहित तीन मैच जीते हैं और शनिवार को भी अपनी जीत के सिलसिले को आगे बढ़ाने के मकसद से उतरेगी। आरसीबी ने सीएसके को उसके घरेलू चेन्नै के मैदान पर दूसरे मैच में 50 रन से हराया था। चेन्नै सुपर किंग्स अपने घर में पंजाब किंग्स से दो गेंदों के बाकी रहते सैम करेन की 88 रन की पारी के बावजूद लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल की हैट्रिक सहित चार विकेट के चलते चार विकेट से हार गई थी। आरसीबी ने अपने पिछले मैच में विराट कोहली और क्रुणाल पांडया के अर्द्धशतकों की बदौलत नौ गेंदो के बाकी रहते छह विकेट से हरा कर दस मैचों में सातवीं जीत हासिल की थी। फिलहाल सात टीमें लीग चरण का समापन 16 या इससे ज्यादा अंकों और पांच टीमें 18 या इससे ज्यादा अंकों के साथ कर सकती हैं। आरसीबी को प्ले ऑफ में स्थान एकदम पक्का करने के लिए अब सीएसके सहित अपने बाकी एलएसजी के खिलाफ घर से बाहर और एसआरएच व केकेआर से घर पर कुल चार में से तीन मैच जीतने जरूरी होगे।

ध्यान मैदान नहीं बढ़िया क्रिकेट खेलने पर: पाटीदार

दिल्ली के खिलाफ हमें पूरे टीम प्रयास से जीत मिली ।खासतौर पर हमारे गेंदबाजों ने दिल्ली की पिच पर योजना को अमली जामा पहनाया। हमारा ध्यान किसी मैदान और स्थान विशेष को देखने की बजाय बढ़िया क्रिकेट खेलने पर था ।जब आप लक्ष्य का पीछा करते हैं तो पिच की बाबत आपकी सोच साफ होती है और हमने उसी के मुताबिक योजना बनाई। दिल्ली की अरुण जेटली स्टेडियम की पिच पर दिल्ली कैपिटल्स का 160 रन का स्कोर पार करने लायक था । दिल्ली को 160 रन पर रोक आसान नहीं था लेकिन इसका श्रेय सभी गेंदबाजों को जाता है। रनों के लक्ष्य का पीछा करने को ले हमारी सोच साफ थी। हमारी आर)सीबी की टीम में कई महान खिलाड़ी हैं और ऐसी टीम की कप्तानी करना फख्र की बात है। मेरे लिए यह महान खिलाड़ियों से सीखने का भी मौका है।

हमें अपने कैच लपकने होंगे : धोनी

हमने पंजाब किंग्स के खिलाफ बेशक पर्याप्त रन बनाए लेकिन फिर भी हमने कुछ कम रन बनाए। हमें अपने बल्लेबाजो से और ज्यादा रनो की दरकार है। सैम करेन व डिवाल्ड ब्रेविज की भागीदारी शानदार रही। मुझे लगता है कि हमें अपने कैच लपकने होंगे। करेन योद्धा हैं और हमने जब भी उन्हें खेलने का मौका दिया पिच रही लेकिन पंजाब के खिलाफ मैच में चेन्नै की पिच सबसे बढ़िया रही। ब्रेविज ने मध्यक्रम में लय दी और वह बेहतरीन फील्डर भी हं और साथ ही बड़ी ताकत से स्ट्रोक लगाते और अच्छी गेंदों पर पर भी चौके छक्के लगा सकते हैं ।हम ऐसे ही ताजा हवा के झोंके की जरूरत थी।

सरल दृष्टिकोण के साथ क्रिकेट खेलना टीम के लिए बहुत अच्छा रहा : पांड्या

मुंबई के गेंदबाजों ने अपनी गेंदबाजी में जोश भर दिया और 16.1 ओवर में राजस्थान को 117 रनों पर आउट कर दिया

मुंबई इंडियंस (एमआई) द्वारा राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 100 रनों से हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचने के बाद, कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि सरल दृष्टिकोण के साथ क्रिकेट खेलना टीम के लिए बहुत अच्छा रहा है। सवाई मानसिंह स्टेडियम में, रायन रिकलटन और रोहित शर्मा के क्रमश: 61 और 53 रनों और सूर्यकुमार यादव और कप्तान पांड्या के नाबाद 48 रनों की बदौलत, मुंबई इंडियंस ने 217/2 का विशाल स्कोर बनाया।

इसके बाद गेंदबाजों ने अपनी गेंदबाजी में जोश भर दिया और 16.1 ओवर में राजस्थान को 117 रनों पर आउट कर दिया और 2012 के बाद पहली बार जयपुर में जीत हासिल की। ??आईपीएल 2025 में अपनी लगातार छठी जीत के साथ, एमआई ने खिताब के दावेदार के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

जिस तरह से हमने बल्लेबाजी की, और हमने गेंद के साथ शानदार प्रदर्शन किया - तो यह बिल्कुल (एक बेहतरीन मैच) था। हम 15 रन और बना सकते थे। हम एक-दूसरे से यही कहना चाह रहे थे कि प्रतिशत शॉट खेलें। सूर्या और मैंने कहा कि शॉट का महत्व है... रो और रायन ने भी इसी तरह बल्लेबाजी की। मुझे लगता है कि यह बिल्कुल शानदार था। यह कभी भी लोगों को मौके मिलने के बारे में नहीं है; यह इस बारे में है कि स्थिति में क्या आवश्यक है। लोग बल्लेबाजी की ओर वापस जा रहे हैं। एक समूह के रूप में, हमने जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह उचित बल्लेबाजी थी। पांड्या ने मैच के बाद प्रस्तुति समारोह में कहा कि मुझे नहीं पता कि (गेंदबाजों में से) किसका उल्लेख करना है। हर कोई वास्तव में स्पष्ट है। हम साधारण क्रिकेट की ओर वापस जा रहे हैं, और यह इसके लिए काम कर रहा है। हम इसे मैच दर मैच लेना चाहते हैं, और विनम्र और अनुशासित रहना चाहते हैं। रिकलटन, जिन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, ने कहा कि मुंबई के लिए प्रदर्शन करना उनके लिए एक शानदार रात थी। मेरे परिवार के लोग भी यहां हैं, इस सप्ताह यहां आएंगे। वाकई बहुत बढ़िया सप्ताह रहा। शुरुआत थोड़ी धीमी रही। हम साझेदारी के तौर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। मौसम के साथ, हम अनिश्चित थे। शायद यही बात आईपीएल (परिस्थितियों के अनुकूल ढलना) की है। टूर्नामेंट के पहले क्वार्टर में मैं बहुत ज्यादा करने की कोशिश करने के लिए दोषी था। हमारे पास एक बेहतरीन थिंक टैंक, वरिष्ठ खिलाड़ी और प्रबंधन समूह है। ट्रेंट बोल्ट, जिन्होंने तीन विकेट लिए, ने कहा कि उन्हें खुशी है कि एमआई अपनी योजनाओं को सही तरीके से लागू कर सका। एक इकाई के तौर पर, इससे ज्यादा की उम्मीद नहीं की जा सकती।

पाक क्रिकेटरों पर भारत की डिजिटल स्ट्राइक

बाबर आजम, रिजवान और शाहीन के इंस्टाग्राम अकाउंट ब्लॉक

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। भारत ने शीर्ष पाकिस्तानी क्रिकेटरों पर डिजिटल स्ट्राइक करते हुए बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी के इंस्टाग्राम अकाउंट घातक पहलगाम आतंकी हमले के बाद ब्लॉक कर दिए हैं, इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। ये तीनों वर्तमान में पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2025 में भाग ले रहे हैं, तथा क्रमश: पेशावर जाल्मी, मुल्तान सुल्तान और लाहौर कलंदर्स का प्रतिनिधित्व करते हैं। हालांकि, भारतीय उपयोगकर्ता अब उनके इंस्टाग्राम पेजों तक नहीं पहुंच सकते हैं, जिसमें देश में सामग्री को प्रतिबंधित करने के कानूनी अनुरोध के अनुपालन का हवाला देते हुए एक संदेश है। यह कदम कश्मीर में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद व्यापक कार्रवाई के हिस्से के रूप में उठाया गया है, जहां पहलगाम के पर्यटन स्थल के पास एक घास के मैदान में बंदूकधारियों द्वारा की गई गोलीबारी में 25 पर्यटक और एक कश्मीरी स्थानीय मारे गए थे। जवाब में, भारत सरकार ने महत्वपूर्ण भारतीय अनुसरण वाले पाकिस्तानी सोशल मीडिया खातों को प्रतिबंधित करना शुरू कर दिया है। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट भी गुरुवार को भारत में ब्लॉक कर दिया गया। पेरिस ओलंपिक में भारत के नीरज चोपड़ा को हराने वाले नदीम ने हाल ही में 24 मई को बेंगलुरु में होने वाले चोपड़ा के एनसी क्लासिक भाला फेंक इवेंट में भाग लेने के निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया था इस सप्ताह की शुरुआत में, कई पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों को भी भारत में कि भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री का प्रसार' और 'भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ गलत सूचना' के लिए रोक दिया गया था।

सुदर्शन को भारतीय टीम में शामिल किया जाए : शास्त्री

नई दिल्ली,
पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने गुजरात टाइटन्स के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन को इंग्लैंड में आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल करने की मांग की है। 23 वर्षीय सुदर्शन ने मौजूदा आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन किया है। सुदर्शन ने आईपीएल 2025 में नौ मैचों में 456 से अधिक रन बनाए हैं और वह ऑरेंज कैप के प्रबल दावेदार हैं। वह मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव (11 मैचों में 475 रन) से पीछे हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पांच अर्धशतक लगाए हैं और टाइटन्स को लीग चरण के अंतिम दो सप्ताह में शीर्ष चार में अपनी स्थिति बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आईसीसी रिव्यू के नवीनतम एपिसोड में बोलते हुए शास्त्री ने सुदर्शन का समर्थन किया, जिन्होंने भारत के लिए तीन वनडे मैच खेले हैं, लेकिन अभी तक टेस्ट डेब्यू नहीं किया है और उन्हें भारत के लिए भविष्य का ऑल-फॉर्मेट खिलाड़ी बताया। शास्त्री ने कहा कि मैं इस युवा खिलाड़ी साई सुदर्शन को खेल के सभी प्रारूपों में खेलते हुए देखता हूं। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी लगता है और मेरी नजरें निश्चित रूप से उस पर होंगी।

हमने कई छोटी-छोटी गलतियां की : पराग

जयपुर,
राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान रियान पराग के मुताबिक, मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ मिली बड़ी हार के पीछे उनकी टीम की 'कई छोटी-छोटी गलतियां' जिम्मेदार थीं। इस हार के साथ आरआर आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई।

इस हार के साथ आरआर आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई

प्लेऑफ की रेस में बने रहने के लिए आरआर को हर हाल में जीत की जरूरत थी, लेकिन टीम हर विभाग में पिछड़ गई। पराग को उम्मीद है कि बाकी बचे सीजन में उनकी टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी।

पराग ने मैच के बाद कहा कि मुझे लगता है हमने कई चीजें सही कीं और कई गलतियां भी कीं। हम उन चीजों पर ध्यान देना चाहते हैं जो हमने सही की हैं। बहुत सारी गलतियां की गईं, उसमें कई छोटी-छोटी गलतियां भी शामिल था, हमें इस पर ध्यान देना होगा कि इन्हें दोबारा न दोहराएं, साथ ही हम अच्छी चीजों पर भी फोकस करें। हमारे कुछ मैच बहुत करीबी रहे हैं। उम्मीद है कि अगले तीन मैचों में जब हमें फिर से ऐसे ही मौके मिलें, जैसे पहले 10-11 मैचों में मिले थे, तो हम वहां बेहतर प्रदर्शन कर सकें। भले ही आरआर ने पहले गेंदबाजी करते हुए 217 रन दे दिए थे, लेकिन निश्चित रूप से उनके पास जीतने का मौका था। पिछले कुछ मैचों में यशस्वी जायसवाल और 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की शुरुआती साझेदारियां (166, 52 और 85 रन) काफी अच्छी थीं। लेकिन इस बार वैसा नहीं हो सका। दीपक चाहर ने सूर्यवंशी को पहली दो गेंदों में ही आउट कर दिया। इसके बाद ट्रेंट बोल्ट और जसप्रीत बुमराह ने कहर ढाया और पावरप्ले के अंत तक आरआर का स्कोर 5 विकेट पर 62 रन था। पराग ने खुद और मिडिल ऑर्डर की जिम्मेदारी लेते हुए माना कि वे इस चुनौती को पार नहीं कर पाए। पराग ने कहा कि हम अच्छी शुरुआत कर रहे हैं, लेकिन मिडिल ऑर्डर-खासकर मेरी और ध्रुव (जुरेल) - की जिम्मेदारी बनती है कि जब पावरप्ले में विकेट गिरें तो हम पारी को संभालें। हम ऐसा नहीं कर पाए। लेकिन अगर अगली बार फिर ऐसी स्थिति आई, तो हमें उस चुनौती के लिए तैयार रहना होगा।

बंग दर्शन और शास्त्री का विजय अभियान जारी

नई दिल्ली। आशीष और सौरभ रावत क़े दर्शनीय गोलों की मदद से बंग दर्शन एफसी ने उत्तराखंड फुटबाल क्लब को 2 -1 से हरा कर डीएसए ए डिवीजन लीग के रोमांचक मैच में पूरे अंक अर्जित किये । नेहरू स्टेडियम में खेले गए उतारचढाव वाले इस मुकाबले में पराजित टीम का गोल जांगूनहाओ ने किया मैच के सभी गोल आकर्षक रहे। उधरअम्बेडकर स्टेडियम में खेले गए सीनियर डिवीजन मुकाबले में शास्त्री एफसी ने भारतीय वायुसेना को 4-2 से परास्त किया। विजेता की जीत का आकर्षण एंडी जाखरी के दो गोल रहे। गोपी सिंह और वाशलांग दखार ने एक-एक गोल जमाए। वायुसेना के गोल समुएल वनलाल्पेका और अमन खान ने किए। युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय वायुसेना ने पहले हाफ में दमदार प्रदर्शन किया लेकिन जैसे जैसे खेल आगे बढ़ा वायुसैनिकों की अनुभवहीनता भारी पड़ने लगी।

अर्नाल्डी को हराकर जैक ड्रेपर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में

मैड्रिड। ब्रिटेन के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने इटली के माटेओ अर्नाल्डी को हराकर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ड्रेपर ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एक घंटे 17 मिनट तक चले मुकाबले में अर्नाल्डी को 6-0, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। ड्रेपर का सेमीफानइल में मुकाबला इटली के लोरेंजो मुसेट्टी से होगा। मैच के बाद ड्रेपर ने कहा कि मैं हर बार खेलने पर स्वयं को मजबूत महसूस करता हूं। मैं सभी क्षेत्रों में बहुत अच्छा कर रहा हूँ और उम्मीद है कि यह आगे भी जारी रहेगा।

श्रीलंका की महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से हराया

कोलंबो। मालकी मदारा (चार विकेट), देवमी विहंगा (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद हर्षिता समाराविक्रमा (77) और कविशा दिलहारी (61) रनों की बेहतरीन पारियों की बदौलत श्रीलंका की महिला टीम ने शुक्रवार को त्रिकोणीय श्रृंखला के तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में 21 गेंदे शेष रहते दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से हरा दिया है। इससे पहले आज यहां श्रीलंका की महिला टीम ने टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका को बल्लेबाजी का न्यौता दिया।

आप घर का बना खाना खाकर ही फिट रह सकते हैं : रमनदीप

कोलकाता,
(एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज रमनदीप सिंह ने अपनी फिटनेस व्यवस्था, पोषण दर्शन और दैनिक दिनचर्या के बारे में बहुमूल्य जानकारी साझा की, जो उन्हें शीर्ष प्रदर्शन पर रखती है। चंडीगढ़ में एक अंतरराष्ट्रीय साइकिल चालक पिता के साथ पले-बढ़े रमनदीप को पोषण को समझने में एक शुरुआत मिली। केकेआर की फिटनेस सीरीज 'ट्रेन लाइक ए नाइट' में रमनदीप ने खुलासा किया कि सौभाग्य से, मुझे एक ऐसे पिता का आशीर्वाद मिला है जो एक अंतरराष्ट्रीय साइकिल चालक हैं। इसलिए, वह मुझे शुरू से ही आहार के बारे में बहुत कुछ सिखाते रहे हैं। इस प्रारंभिक शिक्षा ने मांसाहारी भोजन और डेयरी उत्पादों के महत्व पर जोर दिया, जो उनके आहार का मुख्य हिस्सा रहे हैं।

सौभाग्य से, मुझे एक ऐसे पिता का आशीर्वाद मिला है जो एक अंतरराष्ट्रीय साइकिल चालक हैं : रमनदीप

केकेआर के बल्लेबाज ने बताया कि वह हर दिन की शुरुआत पारंपरिक देसी घी से करते हैं, उसके बाद '2 पूरे अंडे, 3 अंडे की सफेदी, पूरी गेहूं की रोटी और दही' से बना एक सरल लेकिन पौष्टिक नाश्ता करते हैं। पोषण के प्रति यह सीधा दृष्टिकोण उनके इस विश्वास को रेखांकित करता है कि फिटनेस के लिए विदेशी सामग्री या जटिल भोजन योजनाओं की आवश्यकता नहीं होती है। शायद रमनदीप के पोषण दर्शन का सबसे खास पहलू घर के बने खाने के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आप घर का बना खाना खाकर ही फिट रह सकते हैं। मेरा यही मानना है कि आप जो भी खाना चाहते हैं, उसे घर पर ही पकाएं। आप फैंसी रेस्टोरेंट में जाकर फिट नहीं रह सकते। वह स्वस्थ खाने के लिए एक सरल दृष्टिकोण की वकालत करते हैं जिसका कोई भी पालन कर सकता है: चीनी, तला हुआ खाना और आटा। अगर आप इन तीन चीजों को छोड़ देते हैं, तो आपका 90त्न भोजन खुद ही ठीक हो जाएगा। जो लोग अपनी फिटनेस यात्रा शुरू करना चाहते हैं, उनके लिए रमनदीप पुश-अप, स्क्वैट्स और पुल-अप जैसे बॉडीवेट व्यायाम की सलाह देते हैं ।

केकेआर के लिए एक बार में एक मैच पर नजर रखना महत्वपूर्ण : रहाणे

नई दिल्ली,
आईपीएल 2025 के लिए प्लेऑफ की दौड़ में अब चार स्थानों के लिए केवल आठ टीमें ही बची हैं। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के दौड़ से बाहर होने के बाद, गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) पर अब हर मैच में अपनी ताकत बढ़ाने की जिम्मेदारी है, अगर वे प्लेऑफ में प्रवेश करना चाहते हैं और अपना खिताब बरकरार रखना चाहते हैं। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने स्वीकार किया कि उनकी टीम का तत्काल लक्ष्य आरआर और सीएसके के खिलाफ अपने बैक-टू-बैक घरेलू मैचों से क्वालीफाई करना और प्लेऑफ में पहुंचना है। केकेआर, वर्तमान में नौ अंकों के साथ, मौजूदा सत्र में केवल एक घरेलू मैच जीत पाया है, जो आरआर और सीएसके के खिलाफ उनके मुकाबलों को जीतना जरूरी बनाता है।

नीतीश और वैभव पर खर्च किए गए पैसे को कुछ अच्छे गेंदबाजों पर लगाया होता : मुकुंद

नई दिल्ली,
राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के मुंबई इंडियंस (एमआई) से 100 रन से हारने और आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने के बाद, भारत के पूर्व बल्लेबाज अभिनव मुकुंद ने कहा कि अगर उन पर निर्भर होता, तो फ्रेंचाइजी ने नीतीश राणा और वैभव सूर्यवंशी को खरीदने पर जो पैसा खर्च किया, उसे कुछ अच्छे गेंदबाजों को खरीदने में लगाया होता। नीलामी से पहले, आरआर ने ट्रेंट बोल्ट, रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल और आवेश खान को जाने दिया था। इसके अलावा, आरआर ने उन्हें नीलामी में वापस नहीं खरीदा और इसके बजाय जोफ्रा आर्चर, वानिंदु हसरंगा, महेश दीक्षाना, तुषार देशपांडे, कुमार कार्तिकेय सिंह और आकाश मधवाल को लाया, इसके अलावा संदीप शर्मा को भी रिटेन किया - जिनमें से सभी बेहतरीन फॉर्म में नहीं हैं। उनके पास एक अच्छा गेंदबाज है और जिस पर उन्होंने सबसे ज्यादा पैसे खर्च किए हैं, वह आर्चर है। दुर्भाग्य से, उनके भारतीय पिक सही नहीं रहे। तुषार देशपांडे को इस विशेष मैच के लिए बेंच पर बैठाया गया; उन्हें बहुत ज्यादा पैसे, 6.5 करोड़ रुपये में खरीदा गया। लेकिन फिर, आपने दो और बल्लेबाजों में निवेश किया- नीतीश राणा (4.2 करोड़) और वैभव सूर्यवंशी (1.1 करोड़)। मैं चाहे जितना भी सोचूं, मैं उन्हें (उस पैसे में) नहीं खरीदता। मैं उस पैसे को कुछ अच्छे गेंदबाजों में निवेश करता। ईएसपीएनक्रिकइन्फो पर मुकुंद ने कहा कि पिछली बार उनके पास आवेश खान, चहल, अश्विन, ट्रेंट बोल्ट और संदीप शर्मा थे। ये पांच उचित, भरोसेमंद गेंदबाज हैं।

मुकुंद ने कहा कि पिछली बार उनके पास आवेश खान, चहल, अश्विन, ट्रेंट बोल्ट और संदीप शर्मा थे। ये पांच उचित, भरोसेमंद गेंदबाज हैं

भारतीय महिला हॉकी टीम की नजरें जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया टूर के समापन पर

नई दिल्ली,
ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय महिला हॉकी टीम अपने मैच में अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी। इस मुकाबले में उन्हें ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम का सामना करना है, जो एक चुनौतीपूर्ण मुकाबला होगा। टीम लगातार मेहनत कर रही है ताकि वह बेहतरीन खेल दिखा सके। इस दौरे का एक मकसद यह भी है कि आने वाले वर्ल्ड कप और इस साल के अंत में यूरोप में होने वाली एफआईएच हॉकी प्रो लीग के लिए टीम नई रणनीतियां और संयोजन आजमा सके। अभी तक भारत को इस दौरे पर जीत नहीं मिली है, लेकिन आखिरी दो मैचों में वापसी का अच्छा मौका है। 26 सदस्यीय भारतीय टीम की कप्तान सलीमा टेटे और उप-कप्तान नवनीत कौर हैं। अब तक टीम ने ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ एक मैच खेला है जिसमें उन्हें 0-2 से हार मिली। इसके पहले, भारत ने ऑस्ट्रेलिया ए टीम के साथ दो अभ्यास मैच भी खेले थे, लेकिन कड़ा संघर्ष करने के बावजूद उन्हें जीत नहीं मिल सकी। मुख्य कोच हरेंद्र सिंह की कोशिश है कि इन अंतिम दो मैचों में टीम की कमजोरियों को सुधारा जाए और उसकी ताकतों को और मजबूत किया जाए। यह टीम अनुभव और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मेल है। कोच हरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में टीम ने अच्छी प्रगति की है। भले ही ऑस्ट्रेलिया में अब तक नतीजे अनुकूल न रहे हों, लेकिन टीम भविष्य की तैयारियों में लगी है। अटैक और डिफेंस दोनों में टीम ने अब तक अच्छा प्रदर्शन दिखाया है। कोच हरेंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय महिला हॉकी टीम कड़ी मेहनत कर रही है ताकि एक मजबूत टीम बन सके।

अभी तक भारत को इस दौरे पर जीत नहीं मिली है, लेकिन आखिरी दो मैचों में वापसी का अच्छा मौका है

पोजिशन	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	औसत
1-	मुंबई इंडियंस	11	7	4	14	+0. 274
2-	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	10	7	3	14	+1.521
3-	पंजाब किंग्स	10	6	3	13	+0.199
4-	गुजरात टाइटंस	9	6	3	12	+1.748
5-	दिल्ली कैपिटल	10	6	4	12	+0. 362
6-	लखनऊ सुपर जायंट्स	10	5	5	10	+0.325
7-	कोलकाता नाइट राइडर	10	4	5	9	+0.271
8-	राजस्थान रॉयल्स	11	3	8	6	-0.349
9-	सनराइजर्स हैदराबाद	9	3	6	6	-1.103
10-	चेन्नई सुपर किंग्स	10	2	8	4	-1.211

बिजनस पार्टनर हितेश चौधरी के साथ मैरी कॉम ने अजमेर दरगाह पर चढ़ाई चादर, पहलगाम आतंकी हमला पर छलका दर्द

अजमेरः ओलंपिक कांस्य पदक विजेता एमसी मैरी कॉम को लेकर उनके बिजनस पार्टनर हितेश चौधरी अजमेर शरीफ पहुँचे, जहां उन्होंने ख्वाजा साहब के दरबार में अकीदत की चादर चढ़ाई और फूल पेश कर जीवन में सफलता की दुआ मांगी. दरगाह की तरफ से उनका निजाम गेट पर जोरदार स्वागत किया गया और वह हितेश चौधरी के साथ दरगाह में हाजिरी देने पहुंचीं.इस बीच पुलिस का सुरक्षा जाप्ता भी तैनात रहा. बिजनस पार्टनर हितेश चौधरी के साथ मैरी कॉम ने निजाम गेट से एंट्री की और जन्नती दरवाजा होते हुए ख्वाजा साहब के

आसान शरीफ में पहुंचीं, जहां दरगाह के खादिम ने उन्हें दरबार में जियारत कराई और तबरूक भेंट किया. मैरी कॉम ने दरगाह में जिंदगी में सफलता का शुकराना अदा किया और आगे भी जीवन में सुख-शांति और कामयाबी के लिए विशेष दुआ मांगी.गौरतलब है कि मैरी कॉम विश्व मुक्केबाजी प्रतियोगिता में आठ बार वर्ल्ड चैंपियन रह चुकी हैं. उन्हें ओलंपिक कांस्य पदक भी हासिल है. पद्मभूषण अवार्ड पाने वाली मैरी कॉम के बॉलीवुड फिल्म स्टार अमिताभ बच्चन और भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह जैसे कई उनके फैन हैं.बिजनस पार्टनर हितेश चौधरी ने बताया कि मैरी कॉम की जिंदगी पर एक फिल्म 2014 में बनी थी, इस फिल्म में प्रियंका चौपड़ा ने अभिनय किया था. मणिपुर की बेटी और तीन बच्चों की मां मैरी कॉम ने अपने जीवन में संघर्ष के बाद आठ बार वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियन का अवार्ड हासिल किया है.अजमेर शरीफ दरगाह के खादिम सैयद शाहिद चिश्ती ने बताया कि मैरी कॉम ने ख्वाजा गरीब नवाज के दरबार में अपने बिजनस पार्टनर हितेश चौधरी के साथ हाजिरी दी है और जीवन में सुख शांति और कामयाबी की दुआ मांगी है.आतंकी हमला पर जताया दुख : मैरी कॉम ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमला एक बेहद दुखद घटना है. मैं इस पर अपना दर्द शेयर करती हूं और उम्मीद करती हूं कि ऐसी घटना दोबारा कभी ना हो. मैरी कॉम और उनके बिजनस पार्टनर हितेश चौधरी ने दुआ मांगी कि देश में सभी धर्म के लोग एक साथ मिलकर रहें और देश विकास की राह पकड़े. उन्होंने कहा कि मैं एक महिला होकर कोशिश कर रही हूं कि भारत में सर्वधर्म एकता कायम रहे और सारी दुनिया को प्यार मोहब्बत का संदेश दूं

देश के व्यापारी पाकिस्तान से व्यापार करेंगे बंद....

पहलगाम हमले के विरुद्ध मैं पाकिस्तान से व्यापार बंद करने का लिया फैसला : शंकर ठक्कर

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर पाकिस्तान प्रेरित आंतकवादियों द्वारा किए गए जघन्य हमले जिसके कारण मानवता भी कांप उठी के विरोध में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने पाकिस्तान से व्यापार बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला और मांग कैट की दो दिवसीय राष्ट्रीय गवर्निंग काउंसिल की 25 और 26 अप्रैल को भुवनेश्वर में संपन्न बैठक में लिया गया, जिसमें देश भर के 26 राज्यों के 200 से अधिक व्यापारिक नेता शामिल हुए थे।कैट के राष्ट्रीय राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी. भरतीया, राष्ट्रीय महामंत्री तथा दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल और राष्ट्रीय मंत्री शंकर ठक्कर ने बताया कि मीटिंग में पारित सर्वसम्मत प्रस्ताव में सभी व्यापारी नेताओं ने एक स्वर से पहलगाम में आतंकी घटना की कड़ी निंदा करते हुए पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंधों के पूर्ण बहिष्कार करने का आह्वान किया है। प्रस्ताव में कहा गया कि पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या के विरोध में व्यापारिक समुदाय ने पाकिस्तान के साथ सभी प्रकार के आयात-निर्यात को तत्काल प्रभाव से बंद करने का निर्णय लिया है।व्यापारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध उठाए गए कठोर कदम का पूर्ण समर्थन किया और प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि आतंकियों और उनके समर्थकों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। वर्ष 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापारिक संबंधी में तल्खी आ गई थी, जिसके परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच व्यापार में भारी गिरावट आई थी। वर्ष 2018 में भारत-पाकिस्तान के बीच लगभग तीन बिलियन डालर का वार्षिक व्यापार था, जो वर्ष 2024 में मात्र 1.2 बिलियन रह गया है।कैट के चेयरमैन बृजमोहन अग्रवाल ने डिजिटल कॉमर्स के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग की है। शंकर ठक्कर ने कहा कि वर्तमान परिस्थिति में देश भर का व्यापारिक समुदाय एकजुट होकर देश की संप्रभुता और व्यापारिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कोई भी कदम उठाने के लिए तैयार है।ः कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट)राष्ट्रीयमंत्री : श्री शंकर ठक्कर

पारस मेहता को 'प्राइड ऑफ राजस्थान' अवार्ड से किया गया सम्मानित

एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह से पारस मेहता को मिली सराहना

जयपुर। प्रसिद्ध निर्माता (प्रोड्यूसर) पारस मेहता को हाल ही में 'प्राइड ऑफ राजस्थान' अवार्ड से जयपुर, राजस्थान में सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें समाज सेवा और कला के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।इस सम्मान समारोह का खास आकर्षण रही मशहूर अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह, जिन्होंने पारस मेहता को यह अवार्ड भेंट किया। चित्रांगदा ने

पारस की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थान को ऐसे युवाओं पर गर्व है, जो अपनी मेहनत और समर्पण से प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं।पारस मेहता ने यह पुरस्कार पाकर गर्व और आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, "यह सम्मान न केवल मेरा, बल्कि हर उस व्यक्ति का है जो मेरे साथ इस यात्रा में जुड़ा रहा है।"इस अवसर पर राजस्थान के कई जाने-माने सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र के लोग मौजूद थे। समारोह में पारस की उपलब्धियों को लेकर एक वीडियो प्रस्तुति भी दी गई, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

Kingdom की रिलीज से पहले ही कंट्रोवर्सी में फंसे Vijay Deverakonda, शिकायत पर सामने आया बयान

साउथ सिनेमा के फेमस एक्टर विजय देवरकोंडा (Vijay Deverakonda) इन दिनों अपनी एक टिप्पणी को लेकर विवादों में हैं। यह टिप्पणी उन्होंने हाल ही में हैदराबाद में आयोजित फिल्म 'रेट्रो' (Retro Movie) के ऑडियो लॉन्च इवेंट के दौरान दी थी। कार्यक्रम में कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना की निंदा करते हुए उन्होंने कुछ ऐसा कह दिया, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर विरोध शुरू हो गया। यहां तक कि अनुसूचित जनजातियों से संबंधित लोगों ने

उनके खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी।

इस विवाद के बाद विजय देवरकोंडा ने सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट साझा कर सफाई दी और दिल से माफी मांगी। उन्होंने साफ किया कि उनका किसी भी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था।

अपने पोस्ट में विजय देवरकोंडा ने लिखा, ₹अभी मुझे पता चला कि रेट्रो ऑडियो लॉन्च के दौरान मेरे एक बयान ने कुछ लोगों के बीच चिंता और नाराजगी पैदा कर दी है। मैं दिल से कहना चाहता हूं कि मेरा किसी भी समुदाय, खासकर अनुसूचित जनजातियों, को ठेस पहुंचाने का कोई उद्देश्य नहीं था। मैं उनका सम्मान करता हूं और उन्हें भारत की समृद्ध संस्कृति का अभिन्न हिस्सा मानता हूं।"

प्राइम वीडियो की अपनी आगामी दिल को छू लेने वाली ड्रामा सीरीज़ ग्राम चिकित्सालय के प्रीमियर की तारीख 9 मई तय की

भारत के सबसे पसंदीदा मनोरंजन डेस्टिनेशन, प्राइम वीडियो, ने आज अपनी आने वाली ओरिजिनल ड्रामा सीरीज़ ग्राम चिकित्सालय की रिलीज़ डेट की घोषणा की है, यह सीरीज़ 9 मई को प्रीमियर होगी। टीवीएफ (द वायरल फीवर) के बैनर तले बनी इस ओरिजिनल सीरीज़ को दीपक कुमार मिश्रा द्वारा रचित किया है, जबकि इसकी कहानी वैभव सुमन और श्रेया श्रीवास्तव ने लिखी है और निर्देशन राहुल पांडे ने किया है। पांच भागों वाली यह सीरीज एक महत्वाकांक्षी शहरी डॉक्टर डॉ. प्रभात की यात्रा पर आधारित है, जो एक दूरदराज के गांव में लगभग बंद पड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र को फिर से शुरू करने के लिए उसे सरकारी तंत्र की अड़चनों, स्थानीय लोगों की शंकाओं और छोटे कस्बे की अनोखी परेशानियों से जूझना पड़ता है। ग्राम चिकित्सालय में अमोल पाराशर और विनय पाठक मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, उनके साथ आकांक्षा रंजन कपूर, आनंदेश्वर द्विवेदी, आकाश मखीजा और गरिमा विक्रांत सिंह जैसे शानदार कलाकार भी अहम किरदार निभाते हुए दिखेंगे। यह सीरीज़ 9 मई से भारत समेत दुनिया भर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में केवल प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। प्राइम वीडियो इंडिया के कंटेंट लाइसेंसिंग निदेशक मनीष मेंघानी ने कहा, ₹प्राइम वीडियो में हमारा मिशन सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं है – हम भारत की समृद्ध विविधता को उन कहानियों के ज़रिए पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो न सिर्फ हमारे स्थानीय रंगों का जश्न मनाते हैं बल्कि वैश्विक दर्शकों से भी जुड़ती हैं।

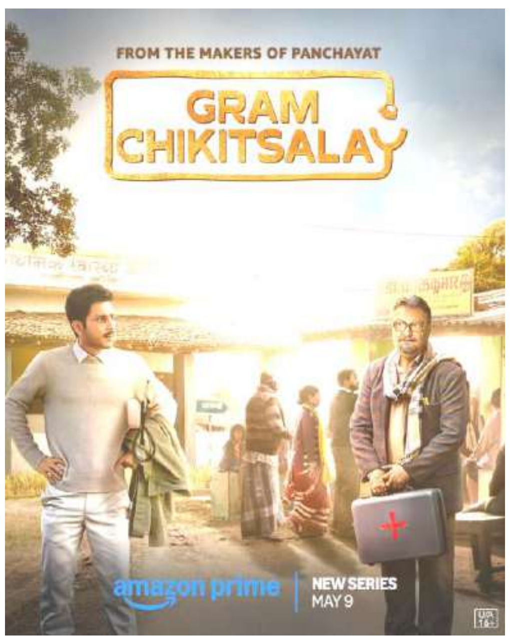

ग्राम चिकित्सालय इस दृष्टिकोण को पूरी तरह दर्शाता है। यह सीरीज़ हास्य और सम्मोहक सामाजिक टिप्पणियों को एक साथ बहुत ही कुशलता से पिरोती है, तथा ग्रामीण भारत के हृदय में एक आदर्शवादी युवा डॉक्टर की कहानी कहती है। यह यात्रा दर्शकों को एक ऐसे अनुभव से रूबरू कराती है जो विशुद्ध रूप से भारतीय होते हुए भी मानवीय भावनाओं से सार्वभौमिक रूप से जुड़ा है। द वायरल फीवर (TVF) के साथ हमारी सफल साझेदारी, जिसने लगातार पथ-प्रदर्शक कहानियां प्रस्तुत की हैं, को आगे बढ़ाते हुए हमें पूरा विश्वास है कि ग्राम चिकित्सालय अपनी गहराई से भरी कहानी, प्रतिभाशाली कलाकारों की टीम और ग्रामीण जीवन की जीवंत प्रस्तुति के साथ दर्शकों को पूरी तरह से आकर्षित करेगी। द वायरल फीवर के अध्यक्ष विजय कोशी ने कहा*, ₹ग्राम चिकित्सालय के ज़रिए हम एक ऐसी कहानी पेश कर रहे हैं जो दिल को छूने वाली और प्रेरणादायक है, यह ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौतियों और सफलताओं को एक ऐसे अंदाज़ में दिखाती है जो हास्यपूर्ण होने के साथ-साथ गहराई से जुड़ाव भी पैदा करता है। इस सीरीज़ की मूल भावना जज़्बे, आपसी जुड़ाव और हर मुश्किल के बावजूद बदलाव की कोशिश के बारे में है।

डॉ. प्रभात की यात्रा के ज़रिए हम उस संघर्ष को दिखाते हैं जहां आदर्शवाद की टक्कर हकीकत से होती है। वह सिर्फ़ बीमारियों से नहीं लड़ रहा है; वह गहरी जड़ें जमाए हुए सिस्टम, पूर्वाग्रहों और यथास्थिति को चुनौती दे रहा है - और इस पूरे सफर में खुद भी यह समझ रहा है कि बदलाव एक दोतरफा प्रक्रिया है। अमोल पाराशर ने डॉ. प्रभात के किरदार को जिस खूबसूरती और सच्चाई से निभाया है, वह वाकई काबिल-ए-तारीफ है। हमें एक बार फिर प्राइम वीडियो के साथ साझेदारी कर बेहद खुशी हो रही है, जहाँ हम मिलकर ऐसी कहानियाँ ला रहे हैं जो न सिर्फ मनोरंजक हैं, बल्कि गहरा प्रभाव भी छोड़ती हैं। हम दर्शकों को डॉ. प्रभात की यात्रा का अनुभव कराने के लिए उत्सुक हैं, जब इस सीरीज़ को 9 मई को प्राइम वीडियो पर प्रीमियर किया जाएगा, तब दर्शक देखेंगे कि डॉ. प्रभात किस तरह बदलाव लाने की कोशिशों करते है।

जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'NTRNeel' की रिलीज डेट आई सामने!

फिलहाल 'NTRNeel' के नाम से जानी जा रही है, जो आखिरकार अपनी रिलीज़ डेट के साथ सामने आ गई है। माइथ्री मूवी मेकर्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। 25 जून 2026, को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म दर्शकों को भरपूर एक्शन, ड्रामा और मास अपील का मेल पेश करने का वादा करती है। हालांकि फिल्म की कहानी को लेकर अभी तक कोई खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन इंडस्ट्री के भीतर से ही इस प्रोजेक्ट को भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी कोलैबोरेशन में से एक बताया जा रहा है। प्रशांत नील की अब तक की फिल्मों जैसे सालारः पार्ट 1 – सीज़फायर में दिखी उनकी हार्ड-हिटिंग और स्टाइलिश स्टोरीटेलिंग, साथ ही जूनियर एनटीआर की दमदार और करिश्माई स्क्रीन प्रेज़ेंस यानी कहना होगा की इन दोनों का मेल सिनेमाघरों में तूफान मचाने वाला है।देवराः पार्ट 1 की बड़ी सफलता के बाद जूनियर एनटीआर अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी को तैयार हैं। 2024 की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलुगु फिल्म बनने के साथ-साथ देवरा ने विदेशों में भी खूब प्यार बटोरा, खासकर जापान में जहां इसका थिएट्रिकल रन सफल रहा। इससे पहले एनटीआर ने आरआरआर जैसी ब्लॉकबस्टर

फिल्म दी थी, जिसने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाया, बल्कि इसके गाने नाटू नाटू को नेशनल अवॉर्ड मिला और यह ऑस्कर जीतने वाला भारत का पहला और एशिया का भी पहला गाना बना।

वहीं दूसरी ओर, प्रशांत नील भी सालार की जबरदस्त सफलता के बाद बुलंदियों पर हैं। इस फिल्म ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कमाई की, बल्कि साल भर ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी राज किया।

सालार वह पहली भारतीय फिल्म बनी जिसने इस तरह का ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है।जूनियर एनटीआर और डायरेक्टर प्रशांत नील की जोड़ी जबरदस्त धूम मचाने आ रही है, और वो भी माइथ्री मूवी मेकर्स जैसे बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ। ये खबर सुनते ही फैन्स के बीच एक अलग ही जोश दिख रहा है। माइथ्री मूवी मेकर्स अब तक कई बड़ी हिट फिल्में दे चुका है, लेकिन माना जा रहा है कि NTRNeel उनका सबसे बड़ा और दमदार प्रोजेक्ट होने वाला है।मिथ्री मूवी मेकर्स और NTR आर्ट्स जैसे नामी बैनर्स के साथ बन रही ये फिल्म किसी बड़े विजुअल ट्रीट से कम नहीं होगी। प्रोजेक्ट NTRNeel को कल्याण राम नंदामुरी, नवीन यरनेनी, रवि शंकर यालमंचिली और हरीकृष्ण कोसाराजू प्रोड्यूस कर रहे हैं। प्रशांत नील की जबरदस्त स्टोरीटेलिंग और जूनियर एनटीआर की ज़बरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस मिलकर इस फिल्म को एक नए स्तर पर ले जाने वाले हैं।25 जून 2026 डेट नोट कर लीजिए, एक तूफान आ रहा है और उसका नाम है NTRNeel।

बिग बॉस फेम गौतम सिंह विग और प्रियंका रेवरी अभिनीत नादिर खान की म्यूजिक वीडियो अलग लॉन्च

मुंबई। स्टार हाउस अंधेरी, मुंबई में म्यूजिक वीडियो ₹अलग₹ लॉन्च किया गया। यह जी म्यूजिक कंपनी पर रिलीज हो रही है। इसके वीडियो में बिग बॉस फेम गौतम सिंह विग और प्रियंका रेवरी की मुख्य भूमिका है। अलबम के एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर नादिर खान, प्रोड्यूसर टॉप लॉफ्ट इंटरनेशनल एंटरटेनमेंट, म्यूजिक डायरेक्टर मो. इरफान अली, सिंगर अल्तमश फरीदी, डायरेक्टर अबुज़ार खान, गीतकार मयंक गेरा, स्टोरी और कांसेप्ट राइटर आसिफ अली और एडिटर अलमास खान हैं।अलबम लॉन्च इवेंट में एक्टर गौतम सिंह विग ने कहा कि यह एक इमोशनल ड्रामा है जिसमें पति पत्नी के प्यार भरे रिश्ते में तीसरा आ जाता है और शादी टूट जाती है। इसमें मेरा किरदार बहुत ही भावुक है। इस तरह के रोल को निभाना हर एक्टर के लिए चैलेंजिंग होता है। मुझे लगातार ऐसे ही किरदार निभाने को मिल रहे हैं, शायद दर्शकों को मेरा यही अंदाज पसंद आ रहा है। वैसे शूटिंग के दौरान हम बहुत मस्ती भी करते थे और पूरी टीम का सपोर्ट रहता था। यह अलबम बेहतरीन बनी है और मुझे उम्मीद है कि यह एक जबरदस्त हिट साबित होगी। एक्ट्रेस प्रियंका रेवरी ने बताया कि शूटिंग के दौरान गौतम शुरू शुरू में रुखा बर्ताव कर रहे थे लेकिन जल्द हम कंफर्टेबल हो गए और सीन को बढ़िया ढंग से करते चले गए। इस अलबम को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं।

नादिर खान ने बताया कि आजकल के रिश्ते बड़े ही नाजुक होते हैं और किसी तीसरे की बातों में आकर बिना सोचे समझे सुखमय वैवाहिक जीवन में खटास पैदा कर लेते हैं और तलाक की नौबत आ जाती है। खासकर देखा जाता है कि पति पत्नी के मधुर संबंध पत्नी की मां ज्यादा दखलअंदाजी करने लग जाती है जिससे एक मर्द के अहंकार को ठेस पहुंच जाती है और न चाहते हुए भी अपनी प्राणेश्वरी को इग्नोर करने लगता है। लेकिन पत्नी के मायके जाते ही उसके साथ बिताए हर मीठे लम्हों को सबसे ज्यादा याद करता है। छायाकार : रमाकांत मुंडे मुंबई

अक्षय तृतीया पर देश भर में सोने का 12 हज़ार करोड़ रुपए के व्यापार होने का अनुमान

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया आज अक्षय तृतीया है जिसको भारतीय संस्कृति में बेहद ही शुभ माना गया है और आज पूरे भारत में सोने,चाँदी एवं अन्य धातुओं की बड़ी ख़रीद होने की उम्मीद है जिसके लिए देश भर में ज्वैलर्स ने बड़ी तैयारियां की थी और बाजारों में भी ग्राहकों का आना जाना लगातार बना रहा। भारी सोने के मुक़ाबले हल्के वजन के आभूषणों की मांग ज़्यादा दिखाई दी। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री तथा दिल्ली चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि आज अक्षय तृतीया के दिन देश भर के ज्वेलरी व्यापारियों को उम्मीद है कि दिन भर के व्यापार के बाद एक मोटे अनुमान के अनुसार देश भर में लगभग 12 हजार करोड़ के सोने के आभूषण आदि की बिक्री तथा और इसी तरह से चाँदी की लगभग 4 हजार करोड़ का व्यापार हुआ है। हालाकि सोने चाँदी की क़ीमतों में काफ़ी तेज़ी है किंतु वैवाहिक सीजन होने तथा अक्षय तृतीया के शुभ दिन पर सोना, चांदी एवं अन्य धातु ख़रीदने की पुरातन परंपरा से आज अच्छा व्यापार हुआ। उन्होंने बताया कि सोने को धन निवेश का सर्वोत्तम विकल्प माना जाता है इसलिए सोने चाँदी के भावों में तेजी होने के बावजूद आज सोना चाँदी खरीदा गया। ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के अध्यक्ष श्री पंकज अरोड़ा ने बताया कि आज अक्षय तृतीया पर सोने का भाव 97,500 प्रति 10 ग्राम और चांदी 98, 000 प्रति किलोग्राम रहा , जो कि ऐतिहासिक रूप से उच्चतम स्तर पर है। आज सोने के भाव में एक हज़ार तथा चाँदी के भाव में 2 हज़ार रुपए की गिरावट हुई। ऊँचे भाव होने के बावजूद बाजार में ग्राहकों की रुचि बनी हुई थी , जो इस शुभ पर्व की धार्मिक और सांस्कृतिक महत्वता को दर्शाती है। ₹हालांकि कीमतें काफी अधिक हैं, फिर भी ग्राहक अपनी परंपरागत आस्था और अक्षय तृतीया के महत्व को ध्यान में रखते हुए सोना-चांदी खरीदना शुभ मानते हैं। एआईजीजेएफ के राष्ट्रीय महामंत्री नितिन केडिया ने बताया की वर्ष 2022 में सोने का भाव 52700 प्रति 10 ग्राम तथा चाँदी का भाव 65 हज़ार रुपए प्रति किलो था जबकि वर्ष 2023 में सोने का रेट 61800 तथा चाँदी का भाव 76500 तथा वर्ष 2024 में यही भाव सोने का 74900 प्रति 10 किलो था। कम भाव होने से मांग अधिक रहती है । शंकर ठक्कर ने आगे कहा की मुंबई एमएमआर रीजन में भी ग्राहकों की अच्छी चहल पहल देखने को मिली और करीब 800 करोड़ रुपए की कीमती धातुओं का व्यापार होने का अनुमान लगाया जा रहा है। अक्षय का अर्थ है शाश्वत समृद्धि अर्थात कभी कम नहीं होने वाला। ऐसा माना जाता है कि इस दिन जो कुछ भी खरीदा या शुरू किया जाता है, वह निरंतर बढ़ता है और स्थायी समृद्धि लाता है। धन, शुद्धता और समृद्धि का प्रतीक होने के कारण सोना इस दिन खरीदने के लिए सबसे ज़्यादा पसंद की जाने वाली संपत्ति है और इसीलिए आज के दिन देश भर में सोने चाँदी का बड़ा व्यापार होता है और देश भर के ज्वैलर्स, सुनार तथा सोने-चाँदी के कारीगर आज के दिन का बेसब्री से इंतज़ार करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन भगवान शिव ने कुबेर को खजाना व माता लक्ष्मी को धन की देवी होने का आशीर्वाद दिया था। इसीलिए आज के दिन खरीदारी को बेहद शुभ माना गया है।ः कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट)राष्ट्रीय मंत्री : श्री शंकर ठक्कर

वास्तुकला संस्थानों में डिज़ाइन शोध प्रबंध

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

संस्थानों में वास्तुकला डिज़ाइन शोध प्रबंध महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे छात्रों को गहन शोध विकसित करने, विशिष्ट वास्तुकला डिज़ाइन अवधारणाओं का पता लगाने और क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। थीसिस प्रक्रिया महत्वपूर्ण सोच, विश्लेषणात्मक कौशल और वास्तुकला सिद्धांतों की व्यापक समझ विकसित करती है। यह छात्रों को अपने शोध और डिज़ाइन समाधानों के माध्यम से वास्तुकला ज्ञान के शरीर में योगदान करने की अनुमति देता है, जो संभावित रूप से भविष्य के अभ्यासों को प्रभावित करता है।यहाँ महत्व का अधिक विस्तृत विवरण दिया गया है: शोध प्रबंध छात्रों को वास्तुकला डिज़ाइन के विशिष्ट क्षेत्रों में जाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, सैद्धांतिक अवधारणाओं और व्यावहारिक अनुप्रयोगों की गहरी समझ को बढ़ावा देते हैं।

वे छात्रों के ज्ञान के आधार को व्यापक बनाते हुए विविध डिज़ाइन दृष्टिकोणों, सामग्रियों और तकनीकों का पता लगाने का अवसर प्रदान करते हैं। डिज़ाइन समस्या से संबंधित जानकारी का शोध, विश्लेषण और संश्लेषण करने की प्रक्रिया आलोचनात्मक सोच और समस्या - समाधान क्षमताओं को बढ़ाती है। छात्र विभिन्न डिज़ाइन समाधानों का मूल्यांकन करना, सीमाओं की पहचान करना और नवीन दृष्टिकोण प्रस्तावित करना सीखते हैं। शोध प्रबंध छात्रों के लिए उनके वास्तुशिल्प डिज़ाइन कौशल , रचनात्मकता और तकनीकी क्षमता को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करते हैं। शोध प्रबंध अत्याधुनिक डिज़ाइन प्रवृत्तियों, उभरती प्रौद्योगिकियों या टिकाऊ डिज़ाइन रणनीतियों का पता लगा सकते हैं, जो संभावित रूप से क्षेत्र में प्रगति में योगदान दे सकते हैं।हाल ही में विभिन्न वास्तुकला संस्थानों के छात्रों ने डिज़ाइन शोध प्रबंध के विषय के लिए वाइवा परीक्षा आयोजित की, विषयों की विविधता और अद्वितीय डिज़ाइन समाधान विचारोत्तेजक पाए गए और साथ ही वास्तुकला परियोजनाओं के क्षितिज को बदलने के लिए तैयार हैं।

आदि शङ्कराचार्य जयन्ती पर श्रीविद्यामठ में हुआ सौन्दर्य लहरी का पाठ

सौन्दर्य लहरी का विभिन्न रागों में दक्षिण भारत की साधिकाओं ने किया सस्वर पाठ

बटुकों ने किया चारों वेदोः का पारायण

वाराणसी,2.5.25आज आदि शंकराचार्य जयंती पर केदारघाट के बगल में स्थित श्रीविद्यामठ में शंकराचार्य जयंती मनाई गई।जिसके अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में सर्वप्रथम हरि प्रकाश पाण्डेय जी ने दीप प्रज्ज्वलन किया।जिसके पश्चात श्रीशंकराचार्य वंदना,गुरुपाद पूजा,बटुकों द्वारा चारो वेदों का पारायण हुआ।साथ ही सौंदर्य लहरी का कर्नाटक शास्त्रीय संगीत के विभिन्न रागों द्वारा दक्षिण भारत की साधिकाओं ने सामूहिक सस्वर पाठ किया।

उक्त जानकारी देते हुए शंकराचार्य जी महाराज के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय ने बताया कि सर्वविदित है कि आदि शंकराचार्य जब काशी आए थे तब एक कूप पर बैठकर उन्होंने सौंदर्य लहरी की रचना की थी।श्रीविद्यामठ में आज भी वह कूप मौजूद है।

आज उस पौराणिक कूप का भी पूजन कर वहां पर आदि शंकराचार्य भगवान का विग्रह स्थापित किया गया।समस्त कार्यक्रम में सर्वश्रीः-साध्वी पूर्णाम्बा दीदी,साध्वी शारदाम्बा दीदी,सजंय पाण्डेय-मीडिया प्रभारी,ब्रम्हचारी परमात्मानंद,डॉ सावित्री पाण्डेय,डॉ लता पाण्डेय,पंदीपेश दुबे,बालेंदु नाथ मिश्र,पं किरण कुमार,रमेश उपाध्याय,पं सदानंद तिवारी, शिवाकांत मिश्र , आर्यन पाण्डेय , विनय तिवारी ,ओम प्रकाश पाण्डेय आदि लोग सहित भारी संख्या में भक्त उपस्थित थे। प्रेषकसंजय पाण्डेय-मीडिया प्रभारी।परमाराध्य परमधर्माधीश ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगदगुरु शंकराचार्य जी महाराज।

अमरेली जिले के मदरसे में मौलाना का पाकिस्तान कनेक्शन मिला

पुलिस ने धारी थाने में शिकायत दर्ज कर मौलाना की संदिग्ध गतिविधियों की जांच शुरू कर दी है।

धारी के हिमखिमडीपारा क्षेत्र स्थित मदरसे में संदिग्ध मौलाना को लेकर जांच जारीमौलाना मोहम्मद फजल अब्दुल अजीज शेख के मूल निवास के बारे में कोई साक्ष्य नहीं है।मोबाइल फोन पर ₹पाकिस्तान₹ और ₹अफगानिस्तान₹ के सोशल मीडिया ग्रुप पाए गए।विशेष अभियान शाखा एसओजी.की टीम ने मोबाइल फोन जब्त कर जांच शुरू कर दी है। पूछताछ के दौरान मौलाना ने बताया कि वह अहमदाबाद शहर के जुहापुरा का निवासी है।

आप वहां कितने समय से रह रहे हैं? अब तक यहाँ कौन आता रहा है.पाकिस्तान में किसके संपर्क हैं.एसपी संजय खरात पूरी जांच की निगरानी कर रहे हैं।भावेश वाघेला अमरेली की रिपोर्ट

खंडेलवाल ने दिल्ली में "दिल्ली आर्थिक विकास परिषद" के गठन का दिया सुझाव

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया चांदनी चौक से भाजपा सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता से आग्रह किया है कि दिल्ली में आर्थिक एवं औद्योगिक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से एक ₹दिल्ली आर्थिक विकास परिषद₹ (Delhi Economic Development Council) का गठन किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसी परिषद न केवल दिल्ली में आर्थिक विकास को नई दिशा देगी, बल्कि दिल्ली को राजस्व के मामले में आत्मनिर्भर भी बनाएगी।खंडेलवाल ने इस संबंध में मुख्यमंत्री को एक विस्तृत पत्र भेजा है। पत्र में उन्होंने उल्लेख किया है कि पिछले लगभग दस वर्षों में दिल्ली में किसी भी प्रकार की ठोस आर्थिक या व्यापारिक नीति लागू नहीं हुई है, जिसके परिणामस्वरूप दिल्ली का व्यापार, उद्योग और सेवा क्षेत्र कई प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि यदि दिल्ली को देश के अन्य महानगरों की तुलना में अग्रणी बनाना है, तो आर्थिक विकास के लिए एक समर्पित और व्यवस्थित योजना बनाना अत्यंतआवश्यक है। इस योजना से दिल्ली में ही रोजगार के बड़े नए अवसर प्राप्त हो सकेंगे।अपने पत्र में खंडेलवाल ने यह भी उल्लेख किया कि हाल ही में केंद्र सरकार के शहरी सुधार से संबंधित एक उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष केशव वर्मा ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी है। इस रिपोर्ट में शहरी विकास को आर्थिक सुदृढ़ता के साथ जोड़ने की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है। समिति ने अपने सुझाव में प्रत्येक बड़े शहर में ₹सिटी इकोनॉमिक डेवलपमेंट काउंसिल₹ (City Economic Development Council) के गठन का प्रस्ताव रखा है, ताकि शहर अपने स्तर पर आर्थिक संसाधन उत्पन्न कर आत्मनिर्भर बन सकें। इस रिपोर्ट पर वित्त मंत्रालय गंभीरता से विचार कर रहा है।समिति ने प्रत्येक शहर में ब्राउनफील्ड डेवलपमेंट का सुझाव दिया है लगभग हर शहर में विकास बिना किसी ठोस योजना के हुआ है जिससे शहरों का चरित्र विकृत ही गया है। शहरों में कारोबारी गतिविधियां शहरों के बीच में ही हुई है जबकि आबादी शहर और उसके आस पास तक फैल चुकी हैं। इस वास्तविकता को देखते हुए शहरों के आर्थिक विकास को एक नई दिशा देने की जरूरत है जिससे शहर आर्थिक रूप से स्वयं के संसाधनों पर निर्भर रह सकें और आर्थिक गतिविधियों को एक नया आयाम मिलें।खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली, जो देश की राजधानी है और देश के सबसे बड़े व्यापारिक केंद्रों में से एक है, को इस पहल का सबसे पहले लाभउठाना चाहिए। यदि समय रहते दिल्ली में ₹दिल्ली आर्थिक विकास परिषद₹ का गठन कर, नीति-निर्माण, निवेश प्रोत्साहन, व्यापार सुलभता, औद्योगिक पुनरुद्धार और सेवा क्षेत्र के विस्तार जैसे क्षेत्रों में समन्वित प्रयास किए जाएं, तो दिल्ली आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बन सकती है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस परिषद में सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ व्यापारिक संगठनों, औद्योगिक निकायों, विशेषज्ञों और शहरी विकास के जानकारों को भी शामिल किया जाए, ताकि नीति निर्माण जमीनी हकीकत पर आधारित हो और प्रभावी रूप से लागू किया जा सके।खंडेलवाल ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि वे इस दिशा में शीघ्र पहल करें और दिल्ली के आर्थिक पुनरुद्धार के लिए ठोस कार्ययोजना बनाएं। उन्होंने कहा की दिल्ली के व्यापारी इस पहल में पूर्ण रूप से दिल्ली सरकार के साथ मजबूती से खड़े हैं और दिल्ली को एक इकोनॉमिक कैपिटल बनाने के लिए संकल्पित हैं।ः कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट)राष्ट्रीय मंत्री : श्री शंकर ठक्कर

धार्मिक फिल्म महासर माँ का मुहूर्त उनकी महिमा गीत के साथ ग्रेविटी स्टूडियो में संपन्न

मुंबई। मारवाड़ी समाज की कुलदेवी ₹महासर माँ₹ की महिमा और चमत्कारों को दर्शाती एक फीचर फिल्म का निर्माण शीघ्र ही होने जा रहा है। महासर मूवीज के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म का शीर्षक ₹महासर माँ₹ ही रखा गया है ताकि समाज के साथ साथ अन्य भक्त भी माता के बारे में जान सकें। इस फिल्म का निर्देशन सनी अग्रवाल करेंगे जो कई वर्षों से बॉलीवुड में सक्रिय हैं।हाल ही में इस फिल्म का मुहूर्त एक गीत के साथ ग्रेविटी स्टूडियो, गोरेगांव (मुंबई) में सम्पन्न हुआ। उसी अवसर पर बॉलीवुड के जाने माने डीओपी और प्रोड्यूसर असीम बजाज फिल्म की टीम को शुभकामना देने के लिए उपस्थित हुए। इस फिल्म का संगीत भीमेश द्विवेदी ने तैयार किया है तथा गीतकार रमन द्विवेदी हैं वहीं सिंगर दिव्य कुमार ने टाइटल सॉन्ग गाया है। फिल्म के निर्माता श्रीधर गुप्ता, दीपक अग्रवाल और एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर संतोष पंसारी एवं राजकुमार सिंघल हैं।निर्देशक सनी अग्रवाल ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने शुरू होगी और दीवाली के शुभ अवसर पर रिलीज कर दी जाएगी। फिल्म में बॉलीवुड के कलाकारों सहित नए कलाकार भी अभिनय करेंगे। हेमा मालिनी और मुकेश खन्ना से संपर्क किया गया है लेकिन अभी उनके अनुमति मिलना शेष है।सनी ने आगे कहा कि मैंने लगभग 50 फिल्में बनाई है लेकिन यह फिल्म महासर माँ के आशीर्वाद से बहुत ही बेहतरीन बनेगी। श्रीधर गुप्ता जी ने माता का मंदिर बनवाया है साथ ही श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए धर्मशाला भी बनवाया है। मैं भी वहां गया हूँ माँ का दर्शन कर स्वयं को भाग्यशाली पाया हूं।निर्माता श्रीधर गुप्ता ने बताया कि महासर माँ का मंदिर हरियाणा राज्य के महेंद्रगढ़ जिले में स्थित है। माता जी मेरे घर के साथ साथ हजारों परिवार की कुलदेवी हैं और वहां प्रति वर्ष दोनों नवरात्रि में बड़ा मेले का आयोजन किया जाता है। मान्यता अनुसार माता के भक्त अपने बच्चों के मुंडन संस्कार और विवाह के समय नव दंपति उनका आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं। हम सभी ने प्रत्यक्ष रूप से महासर माँ के चमत्कार को देखा है। मैं स्वयं मुंबई में संघर्ष कर रहा था और रुपए पैसे के अभाव में दिन गुजार रहा था लेकिन माता जी आशीर्वाद मिला और मैं संपन्न हो गया। इस फिल्म के बनने के बाद लोग महासर मां के बारे में भली भांति परिचित हो जाएंगे और मन्नत मांगने उनके दरबार में पहुंचेंगे। छायाकार : रमाकांत मुंडे मुंबई

समर्थन मूल्य पर सरकार की गेहूं की खरीदी लक्ष्य से हुई कम

गेहूं खरीदी में पंजाब पहले और मप्र दूसरे स्थान पर

मप्र में 67.57 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी, पिछले साल से 39% अधिक

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया इस विपणन वर्ष में सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर की जाने वाली गेहूं खरीदी अभी तक लक्ष्य से कम हुई है। इस वर्ष की सबसे ज्यादा खरीदी पंजाब से हुई है।पंजाब के बाद मध्य प्रदेश दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। पिछले साल की तुलना में इस साल 30 अप्रैल की स्थिति में देश में 19 लाख मीट्रिक टन अधिक (39 फीसदी) गेहूं खरीदा गया है। 30 अप्रैल तक मध्य प्रदेश में कुल गेहूं खरीदी 67.57 लाख मीट्रिक टन हो गई है। पिछले साल मध्य प्रदेश में कुल गेहूं खरीदी सिर्फ 48.39 लाख मीट्रिक टन हुई थी। मध्य प्रदेश में गेहूं की खरीदी 5 मई तक चलनी है। हालांकि, स्लॉट बुकिंग अब बंद हो गई है। अगले चार-पांच दिन में मध्य प्रदेश में गेहूं खरीद का आंकड़ा 75 लाख मीट्रिक टन तक पहुंचने का अनुमान है।

देशभर में प्रमुख गेहूं उत्पादक राज्यों में रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिए गेहूं खरीदी या तो पूरी हो गई है या अंतिम चरण में है। इस साल केंद्र ने देश में 312 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य रखा था। इस लक्ष्य की तुलना में अब तक केंद्रीय पूल में 256.31 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। पिछले साल 30 अप्रैल तक देश में 205.41 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया था। इस लिहाज से इस बार देश में अब तक 24.78% अधिक गेहूं सरकार खरीद चुकी है। इसमें सबसे बड़ा योगदान पांच प्रमुख राज्यों पंजाब, मध्य प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और उप्र का है। केंद्रीय खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के मुताबिक इस साल कुल 21.03 लाख किसानों से गेहूं खरीदा गया है।

30 अप्रैल तक 62,156 करोड़ रुपए का भुगतान किसानों को कर दिया गया है। दावा किया गया है कि इस बार किसानों को गेहूं बिक्री के 24 से 48 घंटे के भीतर भुगतान किया गया है। इस कारण भी किसान एमएसपी पर गेहूं बेचने के लिए आकर्षित हुए हैं।केंद्र ने इस साल गेहूं का समर्थन मूल्य 2,425 रुपए तय किया था।

मध्य प्रदेश सरकार ने अपनी ओर से 175 रुपए बोनस देकर इस दाम को 2,600 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया था। यह मध्य प्रदेश में अब तक का सर्वाधिक बोनस है। राजस्थान ने ने 150 रुपए बोनस देकर दाम 2,575 रुपए किया था। बाकी किसी राज्य ने बोनस नहीं दिया है। इस कारण मध्य प्रदेश में एमएसपी और मंडी भाव लगभग एक स्तर पर आ गए। इस कारण भी किसानों का रुख मंडियों के बजाय सरकारी खरीद केंद्रों की ओर बढ़ा है।* राज्यवार एमएसपी पर गेहूं खरीदी (30 अप्रैल की स्थिति में)राज्य लक्ष्य अब तक खरीदपंजाब 130 103.89 मध्य प्रदेश 80 67.57 हरियाणा 80 65.67 राजस्थान 20 11.44उत्तर प्रदेश 60 7.55 भारत 312 256.31 (लक्ष्य और खरीदी के आंकड़े लाख मीट्रिक टन में)केंद्र सरकार ने इस साल 312 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदी का लक्ष्य दिया था, जो अभी तक पूरा नहीं हुआ है। कुछ दिन और बचे हैं खरीदी में लेकिन लक्ष्य पूरा होने के आसार कम हैं।ः कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट)राष्ट्रीय मंत्री : श्री शंकर ठक्कर

भगवान शंकर ने ही गुरु के रूप में शंकराचार्य का रूप धारण किया

ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती '१००८'

शरणागत को कभी नहीं छोड़ना चाहिए

28 अप्रैल 2025 ज्योतिर्मठ,चमोली,उत्तराखंड 'परमाराध्य' परमधर्माधीश उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती '1008' महाराज ने कहा कि शरणागत को कभी नहीं छोड़ना चाहिए सनातन धर्म में शरणागत की रक्षा जरूरी है।पूज्य शंकराचार्य जी ने ज्योतिर्मठ में आयोजित धर्मसभा में ज्योतिर्मठ के प्रथम गुरु तोटकाचार्य जी के बारे में बताते हुए कहा कि जटा वाले शंकर को तो आपने देखा होगा लेकिन मुंडित सिर वाले शंकर को कभी नहीं देखा होगा,मुंडित सिर वाले शंकर ही आदि गुरु शंकराचार्य हैं।वेद में कहा गया

*नमःकपर्दिनेचव्युपातकेशायनमः

शंकर ने ही गुरु के रूप में शंकराचार्य का रूप धारण किया।वह जब धरती पर अवतरित हुए तो चार वेद साथ लेकर आए और वह भी चलाएमान मूर्ति के रूप में उनके चार शिष्य ही ४ वेद हैं।पूज्य शंकराचार्य जी ने आगे कहा कि अथर्ववेदाम्नाय ज्योतिर्मठ के प्रथम आचार्य का नाम गिरि था।वह गुरु के परम भक्त थे।कभी उनके सामने यह प्रदर्शित नहीं होने देते थे कि वह थके हुए हैं।उन्होंने कभी किसी के सामने अपनी शिक्षा व ज्ञान का प्रदर्शन नहीं किया तो लोग उन्हें मूर्ख समझने लगे। एक दिन आदि गुरु शंकराचार्य सभी शिष्यों के साथ बैठे हुए थे। गिरि उन्हीं के काम में व्यस्त थे तो बाकी विद्यार्थियों ने पूछा गुरुजी हमें कब पढ़ाओगे।गुरुजी ने कहा गिरि को आ जाने दो इस पर सभी विद्यार्थी व्यंग रूप में दीवार की ओर देखने लगे।गुरुजी समझ गए। उन्होंने गिरि के आते ही पूछा तुमने अब तक क्या पढ़ा बताओ।गिरि ने पूछा गुरुजी आप मेरी परीक्षा क्यों ले रहे हैं। क्या बात है।मेरे से कोई दोष हो गया हो तो मैं आपका शरणागत हूं।उन्होंने कहा नहीं तुम्हे बताना ही होगा कि तुमने अब तक क्या पढ़ा वरना हमारी कक्षा में नहीं बैठोगे। गिरि ने तोटक आदि छंद में जो अब तक पढ़ा था सबकुछ बता दिया।सभी छात्र आश्चर्यचकित हो एक दम खड़े हो गए उनकी कृति तोटकार्टकम् और श्रुतिसारसमुद्धरणम् के रूप में आज भी हमारे बीच है,उसी दिन से गिरि नामक शिष्य का नाम तोटकाचार्य हो गया। ज्योतिर्मठ के वह प्रथम गुरु हैं।अपने 9 दिवसीय ज्योतिर्मठ प्रवास पर पधारे शंकराचार्य जी महाराज ने सत्संग में उक्त बातें कहीं । शंकराचार्य जी पादुकापूजन सपत्नीक अभिषेक बहुगुणा जी ने की।सभा में उपस्थित रहे सर्वश्री विष्णुप्रियानन्द ब्रह्मचारी,शिवानन्द उनियाल,शिवानन्द महाराज,मनोज भट्ट,जगदीश उनियाल,महिमानन्द उनियाल,वैभव सकलानी,दीपेन्द्र नायक,राहुल साहू आदि उपस्थित रहे।उक्त जानकारी शंकराचार्य जी महाराज के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय ने दी है।प्रेषकसंजय पाण्डेय-मीडिया प्रभारी।

कैप्शन महाराष्ट्र के पर्यटन मंत्री शंभूराज देसाई सीताराम मेवाती को सम्मानित करते हुए

ख्यातिप्राप्त प्रसिद्ध पत्रकार एवं 'मुंबई मैसेंजर' के प्रधान संपादक मेवाती सीताराम को आईएचएम मुंबई ने सम्मानित किया

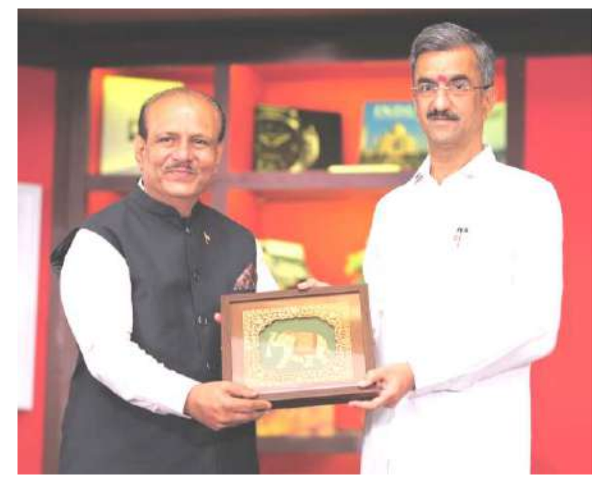

दिलीप पटेल

प्रख्यात पत्रकार और मुंबई मैसेंजर समाचार पत्र के प्रधान संपादक मेवाती सीताराम को इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी (आईएचएम) मुंबई द्वारा कैटरिंग संस्थानों, हॉस्पिटैलिटी उद्योग और पर्यटन प्रोत्साहन पर उनके निरंतर लेखन के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान महाराष्ट्र के पर्यटन मंत्री श्री शंभुराज देसाई द्वारा एक स्मृति चिन्ह (शील्ड) प्रदान कर दिया गया। यह आयोजन IHM मुंबई की कॉफी टेबल बुक 'द लीजेंड्स ऑफ IHM मुंबई – 70 ईयर्स, 70+ स्टोरीज़' के विमोचन के अवसर पर आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम मुंबई के प्रतिष्ठित ताज महल पैलेस होटल के ऐतिहासिक बॉलरूम में संपन्न हुआ।

पत्रकार मेवाती सीताराम ने तीन दशकों से अधिक लंबे करियर में एक प्रतिष्ठित पहचान बनाई है। अपनी दूरदर्शी और विश्लेषणात्मक पत्रकारिता के लिए व्यापक रूप से सम्मानित, कूटनीति व अंतरराष्ट्रीय संबंधों, वैश्विक पर्यटन, हॉस्पिटैलिटी ट्रेंड्स, फैशन और लाइफस्टाइल पर नियमित रूप से लेखन करते रहे हैं। अपनी शानदार पत्रकारिता यात्रा के दौरान उन्होंने राजनीति, वाणिज्य, संस्कृति और अपराध जैसे लगभग सभी पत्रकारिता बीट्स को गहराई से कवर किया है। वह चीन सरकार के आमंत्रण पर हर वर्ष तिन से चार बार चीन की यात्रा करते हैं 1आई एच एम मुंबई के प्राचार्य डॉ. निशीथ श्रीवास्तव ने भी मेवाती सीताराम के पर्यटन पत्रकारिता के क्षेत्र में सीताराम के असाधारण योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, "मेवाती सीताराम ने अपनी सटीक और प्रभावशाली रिपोर्टिंग के माध्यम से हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की सार्वजनिक समझ को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने वैश्विक पर्यटन परिदृश्य में विकास, चुनौतियों और नवाचारों को लगातार उजागर किया है। उनका जिम्मेदार पत्रकारिता के प्रति समर्पण न केवल पाठकों को जानकारी देता है, बल्कि पेशेवरों, छात्रों और लेखकों को भी प्रेरित करता है।"डॉ. श्रीवास्तव ने आगे कहा कि सीताराम का कार्यक्षेत्र पर्यटन पत्रकारिता के क्षेत्र में सीताराम के असाधारण योगदान की सराहना की। पर्यटन पत्रकारिता के क्षेत्र में सीताराम के असाधारण योगदान की सराहना की। आई एच एम मुंबई द्वारा अपने छात्रों में विकसित किए जाने वाले मूल्यों—ईमानदारी, वैश्विक दृष्टिकोण और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता—के साथ पूर्णतः मेल खाता है। "उन्हें सम्मानित करना केवल उनके करियर की सराहना नहीं, बल्कि लेखनी की शक्ति को एक उद्योग को आकार देने में श्रद्धांजलि देना भी है।" पत्रकार मेवाती सीताराम को उनके पर्यटन लेखन के लिए कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से नवाजा जा चुका है। वर्ष 2024 में, उन्हें चीन की सबसे बड़ी समाचार नेटवर्क चाइना सेंट्रल टेलीविज़न (CCTV) द्वारा बीजिंग में प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुआ। वे कुछ गिने-चुने भारतीय पत्रकारों में से एक हैं जिन्हें ये सम्मान प्राप्त हुआ है। इसके अलावा उन्हें इंडियन क्यूलिनरी फोरम (ICF) अवॉर्ड, होटल परचेसिंग मैनेजर्स फोरम (HPMF) अवॉर्ड और इथियोपिया दूतावास द्वारा उनकी उत्कृष्ट यात्रा रिपोर्टिंग के लिए सम्मानित किया जा चुका है। इससे पहले भी IHM मुंबई ने उन्हें सम्मानित किया है।अनेक वर्षों से उन्हें टूरिज्म मलेशिया, टूरिज्म थाईलैंड, टूरिज्म स्पेन, टूरिज्म श्रीलंका और टूरिज्म स्विट्ज़रलैंड जैसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन बोर्ड द्वारा वैश्विक स्थलों को बढ़ावा देने वाले उनके लेखन के लिए सराहना मिलती रही है। इसके अतिरिक्त, चीन के महावाणिज्य दूतावास, मुंबई ने भी उन्हें सीमा-पार पत्रकारिता में उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया है।राजनीतिक हलकों और अंतरराष्ट्रीय मीडिया मंचों में एक जाना-पहचाना चेहरा, मेवाती सीताराम चाइना डेली के संपादकीय पैनल में शामिल हैं और ग्लोबल टाइम्स के नियमित लेखक हैं। उन्हें अक्सर वैश्विक मीडिया नेटवर्क द्वारा पर्यटन और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर विशेषज्ञ टिप्पणी व लाइव टीवी बहसों के लिए आमंत्रित किया जाता है।

सम्मान प्राप्त करने के अवसर पर, मेवाती सीताराम ने अपने चिर-परिचित हास्य के साथ आभार व्यक्त करते हुए कहा, "इतने अद्भुत लोगों की उपस्थिति में मुझे सम्मानित करना यह एक वास्तव में विनम्र अनुभव है 1 मुझे खुशी है कि उन्होंने मुझसे खाना नहीं बनवाया। यह यात्रा सिर्फ हॉस्पिटैलिटी की नहीं, बल्कि उन लोगों और कहानियों की भी है जो इसे जीवन देते हैं। पत्रकारिता ने मुझे उद्योगों में उत्कृष्टता, जुनून और दृढ़ता को सबसे करीब से देखने का मौका दिया है—और आज का दिन इस बात की याद दिलाता है कि विरासत में जमीं कहानियाँ कितनी प्रभावशाली होती हैं।"दुनियाभर से कई प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। प्रमुख अतिथियों में लंदन से मिशेलिन स्टार शेफ मनोज वसईकर, मशहूर मिक्सोलॉजिस्ट शतभी बसु, वीर विजय सिंह, शशांक वार्टी, शेफ रघु देवरा, डॉ. नितिन शंकर नागराले, कनिका हसरत, समीर सूद, राजीव मल्ला, समीर भारद्वाज, शेफ पॉल नोरोन्हा, शेफ जे.पी., शेफ विकास सेठ और सिडनी डिकुन्हा शामिल थे।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।